NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 16 अंक: 11 लखनऊ, मंगलवार 01 सितंबर 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी बोले- बुरा-भला कहने वालों की हार हुई, आरबीआई के अनुमानों को पीछे छोड़ भारत की 7.8% प्रतिशत जीडीपी बढी

एजेंसीं। दिल्लीं। पीएम मोदी ने कहा कि बुरा–भला कहने वालों की हार हुई और भारत एक बार फिर खिल उठा! उनके ये बयान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के उस डेटा के ठीक बाद आए, जिसमें दिखाया गया कि भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (ळक्च्) वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत के आर्थिक विकास पर सवाल उठाने वाले आलोचकों पर निशाना साधा। दरअसल, सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2026–27 की अप्रैल–जून तिमाही में अर्थव्यवस्था ने उम्मीद से बेहतर 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने इस तिमाही वृद्धि को उत्कृष्ट प्रदर्शन बताया। उन्होंने कच्चे तेल की कीमतों के झटकों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों और वैश्विक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए इसे एक अभूतपूर्व व भागीरथ उपलब्धि करार दिया। पीएम मोदी ने कहा कि ष्बुरा–भला कहने वालों

की हार हुई और भारत एक बार फिर खिल उठा! उनके ये बयान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के उस डेटा के ठीक बाद आए, जिसमें दिखाया गया कि भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (ळक्च्) वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह भारतीय रिजर्व बैंक के 7 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से ज्यादा थी ।हालांकि, पहली तिमाही की यह वृद्धि पिछली तिमाही में दर्ज 8.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की तुलना में धीमी थी। फिर भी, यह 2025–26 की अप्रैल–जून तिमाही में दर्ज 6.9 प्रतिशत की वृद्धि से ज्यादा थी। ताजा आँकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ईरान में संघर्ष और ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर उसके असर के कारण बढ़ी हुई जियोपॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारत की विकास दर मजबूत बनी हुई है ।उम्मीद से ज्यादा तेजी से हुए इस विस्तार से पता चलता है कि एनर्जी की ज्यादा कीमतों, महंगाई के दबाव और ग्लोबल स्तर पर कम मांग की चिंताओं के बावजूद घरेलू आर्थिक गतिविधियाँ मजबूत बनी हुई हैं। त्ठप् ने अनुमान लगाया है कि पूरे 2026–27 फाइनेंशियल ईयर के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। डवैच्प् के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में स्थिर कीमतों पर वास्तविक ळक्च् का अनुमान 81.36 लाख करोड़ रुपये लगाया गया था, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 75. 46 लाख करोड़ रुपये था। मौजूदा कीमतों पर नॉमिनल ळक्च् का अनुमान 88.27 लाख करोड़ रुपये लगाया गया, जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में यह 80 लाख करोड़ रुपये थाय यह 10.3 प्रतिशत की विकास दर को दर्शाता है।

जनता दर्शन में पहुचे जरूरतमंद, सीएम योगी ने दिया इलाज में पूरी आर्थिक मदद का भरोसा

संवाददातां।

लखनऊ स्थित आवास पर जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या से आई एक बीमार महिला को तुरंत अस्पताल भिजवाया। उन्होंने परिजनों को आर्थिक सहायता का भरोसा देते हुए कहा कि राज्य में धन के अभाव में किसी का उपचार नहीं रुकेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में अपनी बीमार बहन के इलाज की गुहार लेकर पहुंचे एक व्यक्ति को मदद का आश्वासन देते हुए सोमवार को कहा कि धन की कमी के कारण किसी का इलाज नहीं रुकेगा। एक बयान के मुताबिक यहां मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' में पहुंचे अयोध्या निवासी श्याम सोनकर ने मुख्यमंत्री के समक्ष गुहार लगाई कि उनकी बहन बबिता कुछ दिनों से अयोध्या में भर्ती थीं लेकिन बाद में चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। सोनकर ने कहा कि परिवार के अत्यंत गरीब होने

के कारण इलाज में परेशानी आ रही है जिस पर मुख्यमंत्री ने अपने आवास से तत्काल पीड़िता को एंबुलेंस से गोमती नगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान भिजवाया।मुख्यमंत्री का निर्देश मिलने के बाद चिकित्सकों की देख–रेख में मरीज का इलाज प्रारंभ हो गया। मुख्यमंत्री ने पीड़िता के परिजनों को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। 'जनता दर्शन' में कई अन्य लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे, मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज पर होने वाले अनुमानित खर्च के संबंध में फाइल तैयार कर सरकार को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने आश्वस्त किया, ''धन की कमी के कारण किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

ईरान युद्ध के बाद पहली बार मिले पीएम मोदी और मसूद पेजेशकियान, किन मुद्दों पर हुई बात?

एजेंसी।

दिल्ली। मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात होने की संभावना है, हालांकि अभी तक कोई अलग द्विपक्षीय बैठक औपचारिक रूप से तय नहीं की गई है। उम्मीद है कि दोनों नेता अपनी बैठक के दौरान भारत–रूस के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को किर्गिस्तान के बिश्केक में ैब्व समिट के दौरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की। यह दोनों नेताओं के बीच दो साल में हुई पहली मुलाकात थी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन ;ैब्व) समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भी एक बैठक तय की गई है। इस दौरान मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात होने

की संभावना है, हालांकि अभी तक कोई अलग द्विपक्षीय बैठक औपचारिक रूप से तय नहीं की गई है। उम्मीद है कि दोनों नेता अपनी बैठक के दौरान भारत–रूस के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे।विदेश मंत्रालय के सचिव ने कहा हाल ही में मॉस्को में (भारत–रूस अंतर–सरकारी आयोग) की बैठक बहुत सफल रही थी। उम्मीद है कि बिश्केक में ैब्व समिट के दौरान नेताओं की बैठक में दोनों पक्ष द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे। यह तय बैठक विदेश मंत्री एस. जयशंकर की रूस की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान क्रेमलिन में पुतिन से मुलाकात और रूसी राष्ट्रपति तक प्रधानमंत्री मोदी की शुभकामनाएं पहुंचाने के कुछ दिनों बाद हो रही है। इस दौरान मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात हो सकती है, हालांकि अभी तक किसी अलग द्विपक्षीय बैठक का औपचारिक कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। ैब्व की स्थापना 2001 में चीन, रूस और मध्य एशिया के चार देशों ने एक सुरक्षा मंच के तौर पर की थी। पिछले 25 सालों में इसका दायरा और प्रभाव बढ़ा है, हालांकि इसके लक्ष्य और कार्यक्रम अभी भी स्पष्ट नहीं हैं और इसकी पहचान भी कम है। उज्बेकिस्तान में पीएम मोदी इससे पहले, पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर उज्बेकिस्तान गए थे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि उज्बेकिस्तान की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान, पीएम मोदी और राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की। ये संबंध सदियों पुराने सांस्कृतिक रिश्तों पर आधारित हैं और लोगों के बीच मजबूत आपसी संबंधों से और भी गहरे हुए हैं।

यूपी एनकाउंटर केशव मौर्य बोले,सपा ने अपराधियों को पाला, योगी सरकार में अब हो रहा न्याय

संवाददाता।

लखनऊं। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने अंकित बालियान मर्डर केस में हुए एनकाउंटर का बचाव करते हुए समाजवादी पार्टी पर अपराधियों को बचाने का आरोप लगाया। मौर्य ने कहा कि सपा के शासनकाल में कानून–व्यवस्था खराब थी और अपराधी खुलेआम घटनाओं को अंजाम देते थे, जिसका उदाहरण उन्होंने राजू पाल हत्याकांड से दिया। यह बयान यूपी में अपराध और राजनीतिक जवाबदेही पर बहस तेज करता है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की हत्या के संदिग्धों के साथ हाल ही में हुए पुलिस एनकाउंटर का बचाव किया और इस पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाने के लिए समाजवादी पार्टी की आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए मौर्य ने कानून–व्यवस्था के मामले में विपक्षी पार्टी के रिकॉर्ड की आलोचना की और उनके कार्यकाल के दौरान आपराधिक तत्वों से जुड़ी पिछली घटनाओं का जिक्र किया।

मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी खुद कई मुद्दों को लेकर सवालों के घेरे में है। जब समाजवादी पार्टी सत्ता में थी, तो वह अपराधियों को बचाती थी। अपराधियों को बचाने की इसी नीति के कारण ऐसी घटनाएं हुई जिनमें दिन–दहाड़े विधायकों तक की हत्या कर दी गईय उदाहरण के लिए, मेरे अपने शहर प्रयागराज में, तत्कालीन बीएसपी विधायक राजू पाल की दिन–दहाड़े हत्या कर दी गई थी। उन्होंने आगे समाजवादी पार्टी के पूर्व सदस्यों अतीक अहमद और अशरफ का नाम ऐसे मामलों के दोषियों के तौर पर लिया। मौर्य ने कहा कि भले ही वे आज जिंदा नहीं हैं, लेकिन अपराधियों को पकड़ना पुलिस की जिम्मेदारी है।ष् उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर संदिग्ध गिरफ्तारी का विरोध करते हैं या अधिकारियों पर हमला करते हैं, तो पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई अपराधी गिरफ्तारी का विरोध करता है या पकड़ने की कोशिश के दौरान पुलिस पर हमला करता

है, तो पुलिस जवाबी कार्रवाई करती है। धन्यवाद। सोमवार को शामली में उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स और जिला पुलिस के साथ मुठभेड़ में बालियान की हत्या के दो मुख्य शूटर मारे गए। बालियान के परिवार ने पुलिस की कार्रवाई का स्वागत किया, लेकिन कहा कि वे न्याय के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। बालियान की पत्नी स्वाति ने इस घटनाक्रम पर राहत जताई और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व पुलिस का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब तक हुई कार्रवाई से हमें कुछ संतुष्टि मिली हैय इससे पता चलता है कि पुलिस प्रशासन अच्छा काम कर रहा है और मुख्यमंत्री ने भी इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है। मैं मुख्यमंत्री योगी जी को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहती हूँ।

केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान का बड़ा बयान विवेकानंद के बाद मोहन भागवत ने रखा हिंदुत्व का असली सार

केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने मोहन भागवत के न्यूयॉर्क भाषण को स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक संबोधन के समकक्ष बताया है। उन्होंने कहा कि भागवत ने वैश्विक मंच पर हिंदुत्व के असली सार और भारत की शाश्वत जीवन–दृष्टि को सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया, जो श्वसुधैव कुटुंबकम्श तथा विविधता में एकता पर केंद्रित है। यह भाषण भारतीय दर्शन के वैश्विक प्रभाव को रेखांकित करता है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ै) के सरसंघचालक मोहन भागवत के हालिया भाषण की तुलना स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण से की है। उन्होंने वैश्विक मंच पर भारतीय दर्शन को पेश करने के उनके अंदाज की तारीफ की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में चौहान ने कहा कि भागवत ने दुनिया के सामने भारत की शाश्वत जीवन–दृष्टि को सफलतापूर्वक रखा, जो पूरी सृष्टि की एकता और मानवता के कल्याण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के बाद, अगर किसी ने भारतीय दर्शन और हिंदुत्व के असली सार को इतनी सरलता और स्पष्टता के साथ दुनिया के सामने पेश किया है, तो वे परम पूजनीय सरसंघचालक मोहन भागवत हैं ।चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि भागवत के भाषण ने श्वसुधैव कुटुंबकम्श (पूरी दुनिया एक परिवार है) और श्सर्वे

भवन्तु सुखिनःश (सब सुखी हों) जैसे पारंपरिक भारतीय सिद्धांतों को और मजबूत किया। उन्होंने बताया कि हिंदुत्व विविधता को अपनाने का प्रतीक है, जिसका आधार आध्यात्मिक एकता है। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व कोई संकीर्ण विचारधारा नहीं है, बल्कि यह एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्तिश, आत्मवत् सर्वभूतेषु, वसुधैव कुटुंबकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः और पूरी दुनिया के कल्याण की भावना में व्यक्त जीवन–दृष्टिकोण है। यह विविधता में एकता को अपनाने और पूरी दुनिया को एक परिवार मानकर व्यवहार करने की भावना है ।प्राचीन ऋषियों और श्सिया राममय सब जग जानीश के सिद्धांत का हवाला देते हुए, जिसका अर्थ है समस्त सृष्टि में दैवीयता देखना, चौहान ने भारतीय आध्यात्मिक परंपरा पर प्रकाश डाला। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है और इस पर खुशी जताई जानी चाहिए, इसका सम्मान किया जाना चाहिए और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए। शनिवार को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन स्थित इन्फोसिस थिएटर में आयोजित एक विशाल कार्यक्रम में 6,000 से अधिक भारतीय–अमेरिकी समुदाय के सदस्यों और विभिन्न धर्मों के नेताओं को संबोधित करते हुए भागवत ने विविधता को अपनाने और समुदायों का समर्थन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब हम अमेरिका या यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका कहते हैं, तो एक शब्द की अक्सर चर्चा होती है और वह है बहुलतावाद। और जब हम भारत कहते हैं, तो एक और वाक्यांश की चर्चा होती है रू विविधता में एकता। उनकी इस बात पर वहां उपस्थित लोगों ने तालियां बजाई। उन्होंने यह बात 'अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' फोरम द्वारा आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि भारत के लिए एकता और विविधता, दोनों उसके डीएनए में हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के एक संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि हर राष्ट्र के सामने एक लक्ष्य होता है, जिसे उसे पूरा करना होता है और एक नियति होती है, जिसे उसे साकार करना होता है।

यूपी में राजनीतिक इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकार चल रही है - अखिलेश यादव

संवाददाता।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में भाजपा सरकार पर जेपीएनआईसी सहित सरकारी संस्थानों को बेचने और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने बूथ स्तर पर पार्टी का अभियान शुरू करने और 26 हजार स्कूल बंद करने के खिलाफ प्रदर्शन की घोषणा की। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए सोमवार को दावा किया कि राज्य के पूरे राजनीतिक इतिहास में इतनी भ्रष्ट सरकार कभी नहीं आई, जितनी इस समय है। यादव ने मंगलवार से पार्टी का बूथ स्तर पर चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने की घोषणा भी की। सपा मुख्यालय में संगठनात्मक बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यादव ने भाजपा सरकार पर जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) समेत कई सरकारी संस्थानों को बेचने का आरोप लगाया।उन्होंने बिना नाम लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पर भी आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री ने हाल में सपा प्रमुख और उनके परिवार पर जेपीएनआईसी के निर्माण में ''डकैती'' डालने का

आरोप लगाते हुए दावा किया था कि पूरे परिवार ने मिलकर इसे लूटा। इस पर यादव ने कहा, ''आपने जेपीएनआईसी को उतने में बेच दिया, जितना केवल पार्किंग से उद्योगपति कमा लेगा।आप कैसी इस्तेमाल कर रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश का पूरा राजनीतिक इतिहास उठा लें, इतनी भ्रष्ट सरकार प्रदेश में नहीं आई होगी, जितनी इस समय है।'' उन्होंने सरकारी संस्थानों को बेचने का आरोप लगाते हुए कहा कि उद्योगपति सरकार से दुखी हैं। उन्होंने कहा, ''जब पूंजीवादी व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाएगा तो एक उद्योगपति दूसरे उद्योगपति को खा जाएगा।'' सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर प्रदेश में 26 हजार सरकारी स्कूल बंद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर इन स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित कर सरकार को बताएगी कि ये स्कूल बंद कर दिए गए हैं ।यादव ने सरकार पर मतदाता सूची का दोबारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू करने और निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर साजिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''अब सुनने में आ रहा है कि उत्तर प्रदेश में चुनाव से पहले ये लोग वार्षिक पुनरीक्षण और एसआईआर करेंगे, जिससे अपने लोगों के वोटों को समायोजित करेंगे और बड़े पैमाने पर बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लोगों को मतदाता बनाएंगे। यह साजिश की जा रही है।'' यादव ने आने वाले समय में 'पीडीए' सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि प्रदेश में अन्याय हो रहा है और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार बढ़ा है ।उन्होंने कहा कि सपा के सभी जिलाध्यक्ष और कार्यकारिणी के सदस्य दो सप्ताह के भीतर भाजपा सरकार द्वारा 'पीडीए' के अपमान और भ्रष्टाचार का प्रेस के माध्यम से खुलासा करेंगे। अखिलेश यादव पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वर्ग को साधने के लिए उन्हें 'पीडीए' नाम से संबोधित करते हैं। सपा प्रमुख ने उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) को ''स्वजातीय टॉर्चर फोर्स'' बताते हुए आरोप लगाया कि 'पीडीए' का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है ।उन्होंने पुलिस हिरासत में मौतों के मामले में उत्तर प्रदेश को देश में ''नंबर एक'' बताते हुए बदायूं में थाने में एक दलित व्यक्ति की हिरासत में मौत का उदाहरण दिया। यादव ने आरोप लगाया कि वाराणसी में आदिवासी मजदूर रामजनम की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि उसका ''दोष'' केवल इतना था कि वह ईंट–भट्ठे पर दूसरी जगह काम करना चाहता था ।उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में जाति देखकर की गई कथित फर्जी मुठभेड़ों की सपा सरकार बनने पर जांच कराई जाएगी। यादव ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार कृत्रिम मेधा (एआई) के जरिए उनके बारे में वीडियो बनवा रही है।

सक्षम और ईमानदार अधिकारियों की स्वतंत्र कार्यप्रणाली की रक्षा के लिए राज्यपाल को पत्र, केंद्र के समक्ष मामला उठाने की मांग

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री ने प्रदेश में सक्षम एवं ईमानदार प्रशासनिक अधिकारियों के सम्मान, उनकी स्वतंत्र कार्यप्रणाली की रक्षा तथा अधिकारियों पर किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव के मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल को पत्र लिखकर प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है।अजय राय ने राज्यपाल को लिखे पत्र में कहा है कि उत्तर प्रदेश कैडर की वर्ष 2013 बैच की एक प्रतिभाशाली महिला भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी ने 30 अगस्त को सोशल मीडिया के माध्यम से लगभग 13 वर्ष की सेवा के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा से अपना त्यागपत्र सार्वजनिक किया है। उन्होंने कहा कि यह वही अधिकारी हैं, जिन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली और भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु से शिक्षा प्राप्त करने के बाद विदेश की अच्छी नौकरी छोड़कर देश और समाज की सेवा के उद्देश्य से भारतीय प्रशासनिक सेवा को चुना था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के अनुसार उक्त अधिकारी ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में जिलाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दीं और जनहित से जुड़े अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। ऐसी सक्षम और अनुभवी अधिकारी को फील्ड की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों से हटाकर राजस्व विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात किया गया और अब उनके द्वारा सेवा से अलग होने का निर्णय लिया गया है।अजय राय ने कहा कि अधिकारी ने अपने इस्तीफे का कारण स्वयं स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन वर्ष 2017 में प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक भारतीय प्रशासनिक सेवा के कई अधिकारियों द्वारा इस्तीफा देने अथवा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के मामलों पर गंभीर आत्ममंथन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सक्षम अधिकारियों के अनुभव और योग्यता का प्रदेश की जनता के हित में उपयोग होना चाहिए तथा उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से करने का अवसर मिलना चाहिए।पत्र में गोरखपुर की व्यवस्थाओं का भी उल्लेख करते हुए अजय राय ने कहा कि राज्यपाल ने हाल में गोरखपुर की व्यवस्थाओं पर स्वयं सवाल उठाए थे। इसी बीच सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में गोरखपुर के सांसद द्वारा कथित रूप से यह कहते हुए सुना गया कि "हमें तो गोरखपुर स्पेन जैसा दिखता है, तुम अंधे हो तो हम क्या करें।" उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं पर सवाल उठाने वालों के प्रति इस प्रकार की भाषा संवेदनशीलता की कमी को दर्शाती है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस समारोह में यह बयान दिया गया, उसमें मुख्यमंत्री के हंसते हुए दिखाई देने की बात भी सामने आई है, जो और अधिक गंभीर चिंता का विषय है।अजय राय ने कहा कि आज प्रदेश के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि संविधान और नियमों के अनुसार कार्य करने वाले वरिष्ठ अधिकारी भी अपनी योग्यता और अनुभव के अनुरूप सम्मानपूर्वक काम नहीं कर पाएंगे, तो छोटे अधिकारियों और कर्मचारियों पर पड़ने वाले राजनीतिक दबाव की स्थिति क्या होगी। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को राजनीतिक हस्तक्षेप और दबाव से मुक्त वातावरण में काम करने का अवसर मिलना जरूरी है, ताकि शासन व्यवस्था निष्पक्ष, प्रभावी और जनहितकारी बनी रहे।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने राज्यपाल से आग्रह किया कि इस पूरे मामले को तत्काल केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाए, ताकि उत्तर प्रदेश में सक्षम और ईमानदार अधिकारियों का सम्मान सुरक्षित रह सके। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की क्षमता और मनोबल को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए और उनके अनुभव एवं योग्यता का पूरा लाभ प्रदेश की जनता के हित में लिया जाना चाहिए।अजय राय ने पत्र के अंत में कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी किसी राजनीतिक दल के लिए नहीं, बल्कि संविधान और जनता के लिए काम करता है।

थानों में हो रही मौतें योगी सरकार की ध्वस्त कानून व्यवस्था का प्रमाण- अजय राय

लखनऊ(आरएनएस), । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर मंच से प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था का दावा करते नहीं थकते, लेकिन पुलिस थानों में हो रही मौतें सरकार के दावों की पोल खोल रही हैं। प्रदेश में हत्या, बलात्कार और लूट की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है तथा अपराधियों के हौसले पूरी तरह बुलंद हैं।अजय राय ने कहा कि प्रदेश में अपराधी बेखौफ होकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, जबकि सरकार और पुलिस प्रशासन असहाय स्थिति में मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जब पुलिस थानों के भीतर ही लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने लगे, तो यह प्रदेश की कानून व्यवस्था की वास्तविक स्थिति पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। थानों में होने वाली मौतें इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज समाप्त होता दिखाई दे रहा है। आम नागरिक अपने जान–माल की सुरक्षा को लेकर चिंतित है, जबकि सरकार लगातार कानून व्यवस्था के बेहतर होने का दावा कर रही है। उन्होंने कहा कि केवल मंचों से कानून व्यवस्था को लेकर बड़े–बड़े दावे करने से स्थिति नहीं सुधरेगी, बल्कि सरकार को जमीन पर अपराध रोकने और जनता को सुरक्षित वातावरण देने के लिए ठोस कार्रवाई करनी होगी।अजय राय आज बदायूं जनपद के ग्राम अटसेना पहुंचे। यहां ग्राम अटसेना निवासी युवक राजेश की दातागंज थाने में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मृतक राजेश के पीड़ित परिवारजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना देते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिवार के सदस्यों से घटना की जानकारी ली और इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया।उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की थाने में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होना बेहद गंभीर मामला है। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने सरकार से मांग की कि राजेश की मृत्यु की निष्पक्ष जांच कराकर पूरे मामले की सच्चाई सामने लाई जाए और यदि किसी की भी भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए।अजय राय ने कहा कि प्रदेश की जनता को केवल सरकारी दावों की नहीं, बल्कि वास्तविक सुरक्षा और न्याय की आवश्यकता है।

थानों में हो रही मौतें योगी सरकार की ध्वस्त कानून व्यवस्था का प्रमाण - अजय राय

लखनऊ(आरएनएस), । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर मंच से प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था का दावा करते नहीं थकते, लेकिन पुलिस थानों में हो रही मौतें सरकार के दावों की पोल खोल रही हैं। प्रदेश में हत्या, बलात्कार और लूट की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है तथा अपराधियों के हौसले पूरी तरह बुलंद हैं।अजय राय ने कहा कि प्रदेश में अपराधी बेखौफ होकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, जबकि सरकार और पुलिस प्रशासन असहाय स्थिति में मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जब पुलिस थानों के भीतर ही लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने लगे, तो यह प्रदेश की कानून व्यवस्था की वास्तविक स्थिति पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। थानों में होने वाली मौतें इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज समाप्त होता दिखाई दे रहा है। आम नागरिक अपने जान–माल की सुरक्षा को लेकर चिंतित है, जबकि सरकार लगातार कानून व्यवस्था के बेहतर होने का दावा कर रही है। उन्होंने कहा कि केवल मंचों से कानून व्यवस्था को लेकर बड़े–बड़े दावे करने से स्थिति नहीं सुधरेगी, बल्कि सरकार को जमीन पर अपराध रोकने और जनता को सुरक्षित वातावरण देने के लिए ठोस कार्रवाई करनी होगी।अजय राय आज बदायूं जनपद के ग्राम अटसेना पहुंचे। यहां ग्राम अटसेना निवासी युवक राजेश की दातागंज थाने में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मृतक राजेश के पीड़ित परिवारजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना देते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिवार के सदस्यों से घटना की जानकारी ली और इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया।उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की थाने में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होना बेहद गंभीर मामला है। ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने सरकार से मांग की कि राजेश की मृत्यु की निष्पक्ष जांच कराकर पूरे मामले की सच्चाई सामने लाई जाए और यदि किसी की भी भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए।अजय राय ने कहा कि प्रदेश की जनता को केवल सरकारी दावों की नहीं, बल्कि वास्तविक सुरक्षा और न्याय की आवश्यकता है।

ऑटो सवार महिला से पर्स छीनने वाला आरोपी गिरफ्तार, 8500 रुपये खाते में डलवाए, गुलाबी पर्स समेत सामान बरामद

लखनऊ, (आरएनएस)। आलमबाग थाना पुलिस ने ऑटो रिक्शा से अपने घर जा रही महिला से स्कूटी सवार होकर पर्स छीनने की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर छीना गया गुलाबी रंग का पर्स, तीन एटीएम कार्ड, छोटा पर्स, पेन ड्राइव सहित अन्य सामान बरामद किया है। घटना में प्रयुक्त काली स्कूटी को भी पुलिस ने कब्जे में लेकर मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया है। आरोपी द्वारा छीने गए पर्स में रखे 8500 रुपये अपने बैंक खाते में डलवाए जाने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने उक्त धनराशि को होल्ड करा दिया है।पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त 2026 को गीता मल्होत्रा ने थाना आलमबाग में सूचना दी थी कि वह ऑटो रिक्शा से अपने कार्यालय से घर जा रही थीं। इसी दौरान जदुनाथ चौराहा से जेल चौराहा के बीच काले रंग की स्कूटी सवार एक अज्ञात युवक ने ऑटो के बायीं ओर से झपट्टा मारकर उनका गुलाबी रंग का पर्स छीन लिया। पर्स छीनने के बाद आरोपी यू–टर्न लेकर गलत दिशा से जदुनाथ चौराहे की ओर फरार हो गया।महिला के पर्स में नकदी, एटीएम कार्ड, पेन ड्राइव, छोटा पर्स, चाबियां सहित अन्य सामान रखा हुआ था। मामले की सूचना मिलने के बाद थाना आलमबाग में मुकदमा अपराध संख्या 122ध2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) में मुकदमा दर्ज किया गया।घटना के अनावरण के लिए आलमबाग पुलिस टीम ने लगातार पतारसी–सुरागरसी करते हुए घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा अन्य माध्यमों से भी जानकारी जुटाई। पुलिस को इस दौरान महत्वपूर्ण सुराग मिले और आरोपी की पहचान के प्रयास तेज किए गए।इसी क्रम में 30 अगस्त 2026 की रात करीब 11रू15 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आयुष्मान प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की उम्र करीब 20 वर्ष है और वह तकिया चांद अली शाह, ऐशबाग, राजेन्द्र नगर, थाना बाजारखाला, लखनऊ का निवासी है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने 29 अगस्त को ऑटो में बैठी महिला से पर्स छीनने की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि छीने गए पर्स में रखे 8500 रुपये उसने अपने बैंक खाते में डलवा दिए थे। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर कैंट क्षेत्र में रेलवे लाइन के किनारे से छीना गया गुलाबी रंग का पर्स बरामद कराया।बरामदगी के आधार पर पुलिस ने दर्ज मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त काली स्कूटी संख्या न्च्32फठ0893 को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया। आरोपी द्वारा अपने बैंक खाते में डलवाए गए 8500 रुपये को भी पुलिस ने होल्ड करा दिया है।पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे और निशानदेही से एक गुलाबी रंग का पर्स, विभिन्न बैंकों के तीन एटीएम कार्ड, जिन पर वादिनी का नाम अंकित है, एक छोटा हरे रंग का पर्स, एक पेन ड्राइव, एक काले रंग का हेयरबैंडध जूड़ा तथा आरोपी का मोबाइल फोन

डाक्टर का नंबर तलाशने में बुजुर्ग ने 1.56 लाख गवाएं

ठग ने अपॉइंटमेंट के नाम पर मांगा आधार नंबर, संयुक्त खातों से रुपए निकाले

प्रयागराज। डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने के लिए गूगल पर मोबाइल नंबर तलाशने में 80 वर्षीय बुजुर्ग ने 1.56 लाख गंवा दिए। साइबर ठगों ने डॉक्टर का नंबर बताकर उनसे संपर्क किया और अपॉइंटमेंट के लिए 500 रुपए ऑनलाइन भुगतान करने को कहा। बुजुर्ग के पास ऑनलाइन भुगतान की सुविधा नहीं थी तो ठग ने आधार कार्ड का नंबर मांग लिया।

आधार नंबर देने के बाद बुजुर्ग और उनकी पत्नी के संयुक्त बैंक खातों से अलग–अलग तारीखों में 1,56,000 रुपए निकाल लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के सूरजकुंड निवासी ध्रुव शुक्ला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह और उनकी पत्नी माया शुक्ला दो संयुक्त बैंक खातों के धारक हैं। उन्होंने 26 मई 2026 को गूगल के जरिए एक चिकित्सक का मोबाइल नंबर तलाशा और उस पर फोन किया। बातचीत के कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर दूसरे नंबर से फोन आया।

कॉल करने वाले ने डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने के लिए 500 रुपए ऑनलाइन भुगतान करने को कहा। ध्रुव शुक्ला ने बताया कि उनके पास ऑनलाइन भुगतान की सुविधा नहीं है।

आरोप है कि इसके बाद कॉल करने वाले ने आधार कार्ड का नंबर मांगा। बुजुर्ग ने अपना आधार नंबर उसे दे दिया। आधार नंबर देने के बाद उनके संयुक्त बैंक खातों से अलग–अलग तारीखों में रकम निकलने लगी। पंजाब नेशनल बैंक के खाते से 27 मई से 31 मई के बीच कई ट्रांजेक्शन किए गए।

तहरीर के अनुसार 31 मई को खाते से 14,999.99 रुपए, 29,999.99 रुपए, 29,999.98 रुपए और 23,999.99 रुपए निकाले गए। इससे पहले 27 मई को भी खाते से एक रुपए की निकासी दर्ज हुई।

इसके बाद दूसरे संयुक्त बैंक खाते से 1 जून को 14,999.99 रुपए, 19,999.99 रुपए, 19,999.99 रुपए और 1,999.99 रुपए निकाले गए।

पीड़ित के मुताबिक, दोनों खातों से कुल 1,56,000.91 रुपए की अवैध निकासी हुई। उन्होंने बैंक स्टेटमेंट भी पुलिस को उपलब्ध कराया है।

घटना का पता चलने के बाद ध्रुव शुक्ला ने साइबर सेल में भी शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बैंक खातों के स्टेटमेंट, आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर्य समाज चौक की 150वीं जयंती उत्सव रूप में मनाई

वेद प्रचार सप्ताह पर किया गया भव्य आयोजन

प्रयागराज। महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित आर्य समाज चौक की 150वीं जयंती एवं वेद प्रचार सप्ताह के अवसर पर आर्य कन्या इंटर कॉलेज, प्रयागराज के सभागार में हवन–पूजन एवं यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आर्य समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों, पदाधिकारियों एवं शिक्षाविदों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान आर्य समाज के सिद्धांतों, वैदिक संस्कृति तथा समाज सुधार के क्षेत्र में आर्य समाज द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। हवन एवं यज्ञ का आयोजन कार्यालय से आये पं. अशोक कुमार द्वारा वैदिक विधि–विधान से संपन्न कराया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को वैदिक मंत्रों एवं उनके महत्व से अवगत कराया तथा शुभकामनाएन दीं।आर्य समाज की इस ऐतिहासिक 150वीं जयंती के अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के महामंत्री पंकज जायसवाल ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर इमा सिरोठिया, डॉ. रंजना त्रिपाठी एवं डॉ. अर्चना त्रिपाठी के निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज एवं आर्य कन्या इंग्लिश मीडियम स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम का सफल डॉ. रंजना त्रिपाठी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर अर्चना पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर पर आर्य समाज चौक के प्रधान श्री रविंद्र जी, मंत्री श्री प्रताप नारायण मिश्रा जी सहित आर्य समाज के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की प्रो. इभा सिरोठिया, प्रो नीलांजना जैन, प्रो अंजू श्रीवास्तव, डॉ. अमित पाण्डेय, डॉ. सव्यासांची एवं डॉ. श्यामकांत सहित आर्य कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या श्रीमती नीना प्रजापति, शिक्षिकाएँ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय डाक सुदूर क्षेत्रों तक निभा रहा अहम भूमिका- पोस्टमास्टर जनरल

प्रयागराज। भारतीय डाक विभाग अपनी दूरदर्शी कार्यशैली और 'डाक सेवा–जन सेवा' के मूल मंत्र के साथ देश के कोने–कोने तक विश्वसनीय एवं सुलभ सेवाएँ पहुँचाने में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विशेष रूप से ग्रामीण, दुर्गम एवं सुदूर क्षेत्रों में डाक विभाग ने अपनी मजबूत उपस्थिति के माध्यम से आमजन के विश्वास को अर्जित करते हुए स्वयं को देश की एक सशक्त और प्रभावशाली जनसेवा संस्था के रूप में स्थापित किया है। उक्त उद्गार उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने "डाक व्यवसाय विकास एवं वित्तीय समावेशन महामेला" का बतौर मुख्य अतिथि शुभारंभ करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना, बचत योजनाओं, डाक जीवन बीमा, इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के लाभार्थियों को पासबुक व पॉलिसी बॉन्ड प्रदान किए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाककर्मियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। गांधीनगर मंडल के प्रवर डाक अधीक्षक श्री शुभम डोंगारदिवे ने अतिथियों व ग्राहकों सभी का स्वागत किया।

पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाक विभाग नई ऊर्जा और उद्देश्य के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। यह भारत के संचार व लॉजिस्टिक्स तंत्र को आधुनिक बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और नागरिक– केंद्रित सेवा वितरण को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। डाक विभाग ने वित्तीय समावेशन को समृद्ध करने, डिजिटल कनेक्टिविटी में निरंतर उन्नयन, ग्रामीण लॉजिस्टिक्स का विस्तार करने और नागरिकों की भागीदारी को सशक्त बनाने वाली पहलों के माध्यम से भारत के अंतिम छोर तक डिलीवरी नेटवर्क को और मजबूत किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए संबंधित ब्रांच पोस्टमास्टर्स को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक डाकघर शुभम डोंगारदिवे, डिप्टी अधिक्षक संदीप कुशवाह, आईपीपीबी मैनेजर निरंजन भक्ता, सहायक अधीक्षक एन जी राठोड, हेमंत कंतार, दीपक मोरे, मनोहर कुमार, रौनक शाह, डाक निरीक्षक सुश्री सोनल देसाई, विजय राठोड, एच एम परमार, भाविन प्रजापति, गांधीनगर पोस्टमास्टर डी एम राठोड सहित तमाम स्थानीय डाक कर्मियों एवं सम्मानित जनता ने भागीदारी की।

ताइक्वांडो कलर बेल्ट परीक्षा परिणाम घोषित

प्रयागराज। पंडित रामचंद्र मिश्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल, पीपलगांव में 16 अगस्त को हुई ताइक्वांडो कलर बेल्ट परीक्षा परिणाम घोषित परीक्षा में करीब 130 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्तरों की बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। कौशाम्बी ताइक्वांडो वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस परीक्षा में सफेद से पीली बेल्ट के लिए अविका राठी, अर्पित कुमार राठी, आदित्य प्रताप सिंह, आयुष, इवांशी तिवारी, दिव्यांश कुमार, अव्या सिंह, रूपाली सिंह, साचीप्रीत कौर भाटिया, अनिरुद्ध यादव, सिद्धि सिंह, तविशी गौतम, हर्ष कुमार पाल, आर्निका साहू, अवंतिका, सानवी, आयुष्मान गिरी, वशिष्ठ शर्मा, वैदेही राय, गाथा शर्मा, अकुल के. चौधरी, श्लोक पुनेथा, चौतन्य सिंह, अरमान, दिविजा चौधरी, शर्मिष्ठा पाल, साक्षी यादव, राशि यादव, सौम्या पाल, सक्षम यादव, हर्षिता गौड, वागमिन यादव, सुक्रिति यादव, अंविका तिवारी, जयस्वी गुप्ता, शाश्वत शाहा और सिद्धि दुबे उत्तीर्ण हुए।पीली से हरी बेल्ट में वामिका सिंह, आराध्या सिंह, आरोही श्रीवास्तव, शिवंशी सिंह, दिव्यांशी सिंह, रुद्र यादव, शिवन्या यादव, पार्थ मिश्रा, अहाना शर्मा, श्रेष्ठ जायसवाल, श्लोक पांडेय, प्राणवी श्रीवास्तव, कौशतुभ मणि तिवारी, उपकर त्रिपाठी, यति दुबे, शैली सिंह, अलमीर फैजल, अनुप्रिया पंडोरिया, अद्विका सिंह, अवयान सिंह, तेजस कुशवाहा और अदिति यादव सफल रहे।हरी से हरी–एक बेल्ट में अनिका भट्टाचार्य, प्रिंस दिवाकर, मान्या नारंग, ओमांस दिवाकर, कियरा तिवारी, धैर्य श्रीवास्तव, आराध्या रावत, अक्षिता यादव और शिवांगी ने सफलता हासिल की। हरी–एक से नीली बेल्ट, नीली से नीली–एक तथा नीली–एक से लाल बेल्ट के लिए भी कई खिलाड़ियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। मुख्य निर्णायक कौशाम्बी ताइक्वांडो वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव कामेश शर्मा रहे। अध्यक्ष अनुराग सिंह, वरिष्ठ खिलाड़ी इम्तियाज उल्ला, आशीष आर्य, राजेश भगत, आनंद राय और दीपक यादव ने परीक्षा में सहयोग किया और सफल खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

तीन दिनों तक रोडवेज बसों का महिलाओं ने उठाया लाभ

प्रयागराज। रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का लाभ खूब उठाया गया। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की मुफ्त बस सेवा महिलाओं एवं एक सहयात्री के लिए वरदान साबित हुई। 27 की सुबह छह बजे से 29 अगस्त की रात 12 बजे तक संचालित इस मुफ्त बस सेवा के जरिए यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन की लंबी दूरी की बसों और सिटी बसों से तकरीबन 3.54 लाख यात्रियों ने सफर कर अपने गंतव्य तक की यात्रा पूरी की।त्योहार के इन तीन दिनों के दौरान यात्रियों की सबसे भारी भीड़ प्रयागराज–अयोध्या मार्ग पर देखने को मिली, जहां अकेले रक्षाबंधन के आसपास हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं और यात्रियों ने आवागमन किया।परिवहन निगम के आंकड़ों के अनुसार लंबी दूरी की बसों में सफर करने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता रहा। 27 अगस्त को 55 हजार, 28 अगस्त को 1.32 लाख और 29 अगस्त को सर्वाधिक 1.39 लाख यात्रियों ने मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया। इन तीन दिनों में प्रयागराज रीजन के नौ डिपो की बसों से कुल 3.26 लाख महिलाओं और उनके साथ एक पुरुष सहकर्मी ने फ्री सफर किया।इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर आवागमन के लिए चलाई गई सिटी बसों से भी बड़ी संख्या में लोगों ने राहत महसूस की। सिटी बसों में 27 अगस्त को 8,315 ने फ्री सफर किया। 28 अगस्त को 12,000 और 29 अगस्त को 7,400 यात्रियों ने सफर किया, जिससे तीन दिनों में सिटी बस यात्रियों की कुल संख्या 27,715 दर्ज की गई। वहीं, विशेष आकर्षण का केंद्र रही डबल डेकर बसों का लाभ भी सैकड़ों यात्रियों ने उठाया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 01 सितंबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

सिधवार में 12 अक्टूबर से होगा श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ

अंतराष्ट्रीय कथा प्रवाचिका पंडित गौरांगी गौरी जी सुनाएंगी श्रीमद्भागवत कथा

प्रयागराज(विनोद द्विवेदी) विकासखंड क्षेत्र के सिधवार, हरिपुर गांव में श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना से ओत–प्रोत श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन 12 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। कथा का वाचन अयोध्या की

सुप्रसिद्ध कथा व्यास पंडित गौरांगी गौरी जी द्वारा किया जाएगा। आयोजन को लेकर ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है तथा तैयारियां जोर–शोर से की जा रही हैं।

आयोजकों के अनुसार श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ 12 अक्टूबर को कथा प्रारंभ, श्रीगणेश पूजन एवं श्रीमद्भागवत महापुराण के प्रथम स्कंध से होगा। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान की भक्ति, धर्म, संस्कार, सदाचार तथा जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश दिया जाएगा। कथा के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं प्रेरणादायक प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।

आयोजन की निर्धारित रूपरेखा के अनुसार 13 अक्टूबर को कपिलोपाख्यान एवं ध्रुव चरित्र, जबकि 14 अक्टूबर को जड़ भरत एवं प्रह्लाद चरित्र का वर्णन किया जाएगा। 15 अक्टूबर को बली–वामन प्रसंग सहित भगवान के अन्य महत्वपूर्ण प्रसंगों का श्रवण कराया जाएगा।

इसी क्रम में 16 अक्टूबर को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। 17 अक्टूबर को महारासलीला, उद्धव चरित्र एवं रुक्मिणी विवाह का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा। 18 अक्टूबर को सुदामा चरित्र, श्री शुकदेव जी की विदाई एवं पूर्णाहुति के धार्मिक कार्यक्रम होंगे।

कथा सप्ताह का समापन 19 अक्टूबर को विधिवत हवन एवं महाप्रसाद (भंडारा) के साथ होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

कथा संयोजक श्री संतोष मिश्रा ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन श्री राधाकृष्ण एवं पूर्वजों की स्मृति तथा पितृगण के आशीर्वाद से आयोजित किया जा रहा है। कथा के माध्यम से समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने, युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कारों से जोड़ने तथा लोगों को सनातन धर्म के मूल्यों से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्य यजमान श्रीमती निर्मला देवी एवं श्री कपिल देव मिश्र हैं। आयोजन में परिवार के सदस्यों के साथ–साथ क्षेत्र के श्रद्धालु भी सहयोग कर रहे हैं। आयोजकों की ओर से हिमांशु मिश्र, सुशील कुमार मिश्र, संतोष कुमार मिश्र, सुनील कुमार मिश्र, दीपक कुमार मिश्र एवं निखिल मिश्र सहित समस्त सहयोगियों को आयोजन की जिम्मेदारी में सक्रिय बताया गया है।

आयोजक परिवार ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमी नागरिकों एवं आसपास के गांवों के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कथा स्थल पर पहुंचकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण एवं आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की है। आयोजकों का कहना है कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मनुष्य को सत्य, प्रेम, करुणा, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला आध्यात्मिक माध्यम है। कथा सप्ताह के दौरान कथा स्थल पर प्रतिदिन भक्तिमय वातावरण रहेगा और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धालुओं को भगवान की कथाओं का रसपान कराया जाएगा। 19 अक्टूबर को हवन, पूर्णाहुति एवं महाप्रसाद के साथ आठ दिवसीय धार्मिक आयोजन का समापन होगा।

जौनपुर मुंगरा बादशाहपुर के संजय मिश्रा को मिला राज्य अध्यापक पुरस्कार,जिले एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल

जय प्रकाश मिश्रा जिला संवाददाता जौनपुर

जौनपुर। मुंगरा बादशाहपुर के ग्रामसभा गरियाँव निवासी कर्तव्यनिष्ठ एवं आदर्श शिक्षक श्री संजय मिश्रा को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'राज्य अध्यापक पुरस्कार' से सम्मानित किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, नवाचार तथा छात्र–छात्राओं के भविष्य निर्माण के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। संजय मिश्रा की यह उपलब्धि मुंगरा बादशाहपुर, गरियाँव और पूरे जौनपुर जनपद के लिए गौरव का विषय है।

इस अवसर पर विद्यालय के स्टाफ ने संजय मिश्रा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने भी संजय मिश्रा को राज्य अध्यापक पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय स्टाफ एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा कि संजय मिश्रा का शिक्षा के प्रति समर्पण, नवाचार और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किया जा रहा प्रयास अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत है।

संजय मिश्रा की इस उपलब्धि से क्षेत्रवासियों में भी खुशी है और लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने की शुभकामनाएं दीं।

राज्य शिक्षक सम्मान के लिए संजय मिश्रा का चयन जनपद के परिषदीय शिक्षकों की कर्मठता का प्रमाण - अमित सिंह

जय प्रकाश मिश्रा जिला संवाददाता जौनपुर

जौनपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय संयुक्त महामंत्री व जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कंपोजिट विद्यालय गरियाव के प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं मुंगराबादशाहपुर ब्लॉक अध्यक्ष संजय मिश्रा को उत्तर प्रदेश के सर्वोच्च श्राज्य शिक्षक सम्मानश सूची में स्थान बनाने पर बधाई दी है।

अमित सिंह ने कहा कि संजय मिश्रा जी ने अपने उत्कृष्ट शिक्षण कार्य और नवाचारों के बल पर यह सर्वोच्च मुकाम हासिल किया है। पूरे जनपद के प्रतिनिधित्व के रूप में उनका यह चयन बेसिक शिक्षा परिवार की कर्मठता और शिक्षकों के समर्पण को रेखांकित करता है। आगामी 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह सफलता जनपद के शिक्षकों में एक नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करेगी।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर क्षत-विक्षत महिला का शव मिलने से सनसनी

बल्दीरायध्सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार भोर उस समय सनसनी फैल गई, जब धनपतगंज थाना क्षेत्र के मझवारा गांव के पास सड़क पर करीब 40 वर्षीय अज्ञात महिला का क्षत–विक्षत शव पड़ा मिला। शव की हालत इतनी खराब थी कि तत्काल उसकी पहचान नहीं हो सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व सुरक्षा दल मौके पर पहुंच गया और जांच शुरू कर दी।

बताया जाता है कि जयपुर से लखनऊ की ओर जा रही टाटा टियागो कार में रविशंकर अपनी पत्नी नेहा कुमारी (32) और दो वर्षीय बेटे कार्तिक के साथ सफर कर रहे थे। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर उन्हें सड़क पर महिला का शव दिखाई पड़ा। शव को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई और सुरक्षा रेलिंग से जा टकराई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि उसमें सवार दंपती और मासूम बाल–बाल बच गए। घटना की जानकारी मिलते ही यूपी सुरक्षा दल तथा धनपतगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क किनारे कराकर यातायात को सामान्य कराया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी अंजू मिश्रा के अनुसार, प्रारंभिक जांच में महिला की मौत किसी वाहन की टक्कर से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। महिला की पहचान के लिए आसपास के थानों को भी सूचना भेजी गई है तथा उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि महिला एक्सप्रेसवे पर कैसे पहुंची और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। घटना ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रात और भोर के समय सड़क सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एसपी विनीत जायसवाल के निर्देश पर कई टीमें तलाश में जुटीं

सुल्तानपुर। बीती शाम पुलिस अभिरक्षा से अभियुक्त के फरार होने के मामले में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने तत्काल सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। मामले में नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार अभियुक्त की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर सघन अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाता है कि धनपतगंज से लाया गया अभियुक्त वसीक बीती शाम जेल ले जाते समय गभड़िया जेल रोड के पास पुलिस को चकमा देकर अभिरक्षा से फरार हो गया था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और वरिष्ठ अधिकारियों ने तत्काल मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए। सूत्रों के अनुसार देर शाम ही पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए गए थे। इसके बाद पुलिस ने फरार अभियुक्त की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ ही विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग और तलाश अभियान शुरू कर दिया है। लापरवाही पर गिर सकती है गाज मामले में पुलिस अभिरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे कर्मियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जांच में यदि किसी स्तर पर लापरवाही या कर्तव्य में चूक सामने आती है तो संबंधित कर्मियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई हो सकती है। एसपी की त्वरित कार्रवाई के बाद माना जा रहा है कि आज शाम तक मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आ सकती है। फिलहाल पुलिस की कई टीमें फरार अभियुक्त को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

स्थानीय कलाकारों का अपमान - सांस्कृतिक केंद्र के रवैये पर तीखा विरोध

प्रयागराज। उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र (NCZCC) द्वारा स्थानीय कलाकारों के साथ किए जा रहे अपमानजनक

व्यवहार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. रमा मोंट्रोज ने कहा कि यह रवैया न केवल कलाकारों की गरिमा को ठेस पहुँचाता है, बल्कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन की प्रक्रिया को भी बाधित करता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संस्थान को कलाकारों के प्रति सम्मानजनक और सहयोगी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

प्रयागराज के रंगकर्मी एवं लोक कलाकारों ने हाल ही में जिलाधिकारी महोदय के समक्ष अपनी समस्याएँ रखीं। यह बैठक उस असंवेदनशील रवैये के संदर्भ में हुई, जो विगत दिनों NCZCC प्रयागराज के निदेशक सुदेश शर्मा द्वारा कलाकारों एवं संस्थाओं के प्रति अपनाया गया था।

कलाकारों ने स्पष्ट किया कि नाटकों के मंचन से पूर्व उन्हें लगभग पाँच विभागों से अनुमति लेनी पड़ती है। यह प्रक्रिया अत्यंत समय लेने वाली है और उनकी रचनात्मकता एवं उत्साह को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रशासनिक जटिलताओं के कारण सांस्कृतिक गतिविधियाँ बाधित होती हैं।

बैठक में उपस्थित सांसद प्रवीण पटेल एवं जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने कलाकारों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और सकारात्मक रुख अपनाया। निदेशक सुदेश शर्मा की अनुपस्थिति में NCZCC के उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय, सलाहकार श्रीमती कल्पना सहाय तथा संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि वे कलाकारों के प्रति लचीला रवैया अपनाएँ और अनावश्यक बाधाओं को दूर करें।

इसी मुद्दे पर जन तपिश न्यूज के स्टूडियो में प्रयागराज के वरिष्ठ कलाकारों ने अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने बताया कि वे स्वयं लंबे समय से NCZCC की कार्यप्रणाली से पीड़ित रहे हैं। उनका कहना था कि संस्थान का कठोर रवैया न केवल उनकी कला साधना को प्रभावित करता है बल्कि सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन में भी बाधा डालता है। एन. बी. मोंट्रोज, सुरेन्द्र सिंह, अबुल कलाम राइन, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, एम. गुलरेज, नाजिम अंसारी, राकेश श्रीवास्तव और जसमिन लाल सहित अन्य लोगों ने भी कलाकरों के इस पहल का समर्थन किया।

यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि प्रयागराज के कलाकार केवल मंच पर ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक जटिलताओं से भी संघर्ष कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सांस्कृतिक संस्थाएँ कलाकारों के हित में अधिक संवेदनशील और सहयोगी बनें, ताकि कला और संस्कृति का प्रवाह बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ सके। बैठक में जमील अहमद, अतुल यदुवंशी, अनिल रंजन भौमिक, शैलेश श्रीवास्तव, अलोक नायर, प्रोफेसर अनीता गोपेश, रिधान्धरा मिश्रा, निखिलेश मौर्या, सुदीपा मित्रा आदि मौजूद थे

स्वास्थ्य शिविर में 100 बच्चों हुई जांच

जौनपुर। पूर्वांचल स्पीच एंड हियरिंग सेंटर, नईगंज के सौजन्य से सिकरारा स्थित अरोमा एकेडमी परिसर में एक दिवसीय निशुल्क श्रवण एवं वाणी जाँच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 100 से अधिक बच्चों एवं लोगों ने भाग लिया, जहाँ उनके कान की सुनाई की जाँच, कान में सनसनाहट (टिनिटस) तथा वाक संबंधी विकारों का आधुनिक उपकरणों द्वारा परीक्षण किया गया।जाँच के दौरान विशेषज्ञों द्वारा हकलाने, तुतलाने तथा अटक–अटक कर बोलने की समस्या से ग्रस्त बच्चों का विस्तृत असेसमेंट किया गया एवं उन्हें आवश्यक स्पीच थेरेपी परामर्श दिया गया। डॉ. सौरव कुमार सिंह ने कहा कि सुनना और बोलना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। हमारा मुख्य उद्देश्य समाज को जागरूक करना है ताकि कोई भी बच्चा श्रवण या वाणी विकार के कारण समाज की मुख्यधारा से वंचित न रह जाए। यदि मूक–बधिर बच्चों की समय रहते सही जाँच कर ली जाए और आवश्यकतानुसार डिजिटल हियरिंग एड अथवा थेरेपी उपलब्ध कराई जाए, तो वे भी सामान्य बच्चों की तरह आत्मनिर्भर बन सकते हैं। डॉक्टर एवं उनकी टीम ने उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों को बच्चों में शुरुआती लक्षणों को पहचानने के प्रति जागरूक किया।

समान कानून की मांग को लेकर आवाज उठायी

जौनपुर । देश में समान कानून और सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए जाने की मांग को लेकर सवर्ण आर्मी ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने केंद्र व प्रदेश सरकार से संविधान में निहित समानता के सिद्धांत को मजबूत करने तथा कानून के समान संरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई।सवर्ण आर्मी की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि सभी नागरिकों को संविधान प्रदत्त समानता एवं मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। संगठन ने मांग की कि आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा कर आर्थिक स्थिति तथा वास्तविक सामाजिक–शैक्षिक पिछड़ेपन जैसे पारदर्शी मानकों को भी आधार बनाया जाए। ज्ञापन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के वर्ष 2026 के नए नियमों की समीक्षा करने की मांग भी की गई। संगठन ने कहा कि ऐसे प्रावधानों पर पुनर्विचार होना चाहिए, जिन्हें जनहित और समानता की कसौटी पर उचित नहीं पाया जाता है। संगठन ने मामलों के अंतिम न्यायिक परिणाम, दोषमुक्त हुए आरोपियों की संख्या तथा न्यायालय द्वारा आरोप निराधार पाए जाने वाले मामलों से संबंधित जानकारी पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराने की मांग रखी।

विद्यालय को प्रदान किया पांच कम्प्यूटर

जौनपुर।सिरकोनी ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय सुई को एक समाजसेवी ने पांच कम्प्यूटर प्रदान किया।सोमवार को हुए कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह मौजूद रहे।कम्प्यूटर देने वाले श्रवण कुमार चौबे के भाई सत्यवान चौबे उक्त कम्प्यूटर को लेकर विद्यालय पहुंचे।उन्होंने कम्प्यूटर ऑपरेटर के जरिये उन्हें विद्यालय के कमरे में स्थापित कराया।इस मौके पर उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के युग में कम्प्यूटर के बगैर शिक्षा पूर्ण नही है।इस तरह की चीजें प्रत्येक विद्यालय में होनी चाहिए। खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यालय को कम्प्यूटर देकर एक नजीर पेश किया है।विद्यालय के बच्चे अब कम्प्यूटर के ज्ञान को पाएंगे। प्रधानाध्यापक सूरज कुमार मौर्य,अनिल कुमार चौबे,रत्नेश कुमार यादव,नितिका सिंह,अजय कुमार यादव आदि सहित भारी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही।

बारिष के बाद सड़कों पर तैरता दिखता है विकास

जौनपुर । बारिश भादो माह में भी जारी है। मानसून की सक्रियता के कारण सोमवार को जिले में कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश दर्ज की गई। इस लगातार बारिश ने एक ओर जहां धान की फसल को नया जीवन दिया है, वहीं दूसरी ओर जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मौसम विभाग ने आगामी तीन दिनों तक जिले में बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। षहर में करोड़ों रूपये खर्च करने के बाद भी सड़के और गलियां विकास को मुंह चिढ़ाते हुए खन्दक में तब्दील है। बारिष होने के बाद अनेक मोहल्ले तालाब बन जाते है सड़के पानी से घण्टों पानी में डबूबी रहती है जाम लगा रहता है। विकास के नाम पर धन का बन्दरबांट करने वाले जनप्रतिनिधि विकास की गंगा बहाने का दावा कर रहे है जो षर्म की बात है। जनता आगामी चुनाव में उन्हे सबक सिखा सकती है। दोपहर तेज बारिश के बाद नगर के प्रमुख मार्गों, गलियों और निचले इलाकों में पानी भर गया। कालीकुत्ती, मखदूमशाह अढ़न, ईशापुर, खासनपुर, ताइतला और कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सिविल लाइंस पुलिस चौकी के सामने तथा रुहट्टा जैसे क्षेत्रों में जलभराव के कारण लोगों का आवागमन बाधित हुआ। साथ ही जल निकासी की व्यवस्था के अभाव में बदलापुर तहसील परिसर भी पूरी तरह जलमग्न हो गया।

कार की चपेट में आये दो युवक घायल

जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र के किरतापुर गांव के पास रविवार की रात करीब साढ़े नौ बजे अज्ञात कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिये स्थानीय लोगो ने जिला चिकित्सालय भिजवाया। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के शिकारपुर निवासी 28 वर्षीय चमन कुमार) बाइक चला रहे थे, जबकि 30 वर्षीय जंग बहादुर पीछे बैठे थे। दोनों केराकत में रिश्तेदार के घर से लौटकर जौनपुर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में चमन कुमार के सिर और जंग बहादुर के दाहिने पैर में गंभीर चोट आई। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को जिला अस्पताल भेजा। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

अधिकारियों ने बैरकों से रसोई तक परखी व्यवस्थां

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने सोमवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था के साथ–साथ बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। डीएम–एसपी ने विभिन्न बैरकों, कारागार अस्पताल, पाकशाला सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की स्थिति परखी। अधिकारियों ने जिला कारागार अस्पताल में भर्ती बंदियों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित चिकित्सकों एवं कारागार प्रशासन को बंदियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।इसके बाद रसयोई का निरीक्षण किया। यहां बंदियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ–सफाई और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया को देखा।

यूजीसी के नये नियमों को वापस लेने की मांग

जौनपुर । कलेक्ट्रेट परिसर में सोमवार को ब्राह्मण एकता परिषद के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। परिषद के अध्यक्ष पंकज शुक्ला के नेतृत्व में विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। परिषद ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए जारी किए गए नए नियमों को वापस लेने की मांग की। अध्यक्ष ने इन नियमों को एकपक्षीय बताया और कहा कि इनमें झूठी शिकायतों के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि इन नियमों से सामान्य व अन्य वर्गों के विद्यार्थियों और शोधार्थियों में असुरक्षा और असंतोष का माहौल है। परिषद ने इन नियमों को पूरी तरह वापस लेने या उन्हें वर्ग–निरपेक्ष बनाने की मांग की। इसके अतिरिक्त, ब्राह्मण एकता परिषद ने एससी–एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के दुरुपयोग पर रोक लगाने की मांग की। परिषद ने कहा कि अधिनियम के बढ़ते राजनीतिक व व्यक्तिगत दुरुपयोग को रोकने के लिए इसमें संवैधानिक दायरे में संशोधन किए जाएं। मांग की कि किसी भी शिकायत पर सीधे मुकदमा या गिरफ्तारी करने से पहले एक निष्पक्ष प्रारंभिक जांच की व्यवस्था अनिवार्य की जाए, ताकि निर्दोष व्यक्तियों को अनावश्यक परेशानी न हो और कानून की पवित्रता बनी रहे। ज्ञापन में आरक्षण व्यवस्था में श्क्रीमी लेयरश् के प्रावधान को सख्ती से लागू करने की भी बात कही गई।परिषद ने मांग की कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत भी क्रीमी लेयरश् को लागू किया जाए, ताकि आरक्षण का लाभ वास्तव में समाज के सबसे पिछड़े और जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंच सके।

गड़बड़ा जाएंगे सभी राजनीतिक दलों के समीकरण ? 2029 से ही वन नेशन वन इलेक्शन को लागू करने की तैयारी तेज !

मौजूदा विधेयकों की मूल रूपरेखा के अनुसार देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक चक्र में लाने की पहली वास्तविक संभावना 2034 से बनती है। संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच कर रही है। भले ही देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए अपनी–अपनी बिसात बिछाने में जुटी हों, लेकिन भारतीय राजनीति की इस शतरंज पर जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक और बड़ा 'मास्टरस्ट्रोक' चलने की संभावना जोर पकड़ रही है। हम आपको बता दें कि 'एक देश, एक चुनाव' का विचार अब महज बहस या चुनावी नारा नहीं रह गया है, भारत इसके क्रियान्वयन से कुछ ही कदम दूर दिखाई दे रहा है। एक ओर भाजपा देशभर में विभिन्न सामाजिक और पेशेवर वर्गों के बीच इस विचार के समर्थन में अभियान चलाकर जनमत तैयार करने में जुटी है, वहीं इस मुद्दे पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति भी राज्यों, विधायिकाओं, शिक्षाविदों, कानूनी विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से व्यापक चर्चा के बाद अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के चरण में पहुंच रही है। ऐसे में सियासी हलकों में यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या चुनावी राजनीति की मौजूदा बिसात बदलने वाली है और क्या 'एक देश, एक चुनाव' मोदी सरकार की अगली बड़ी राजनीतिक चाल साबित होगी।हम आपको बता दें कि मौजूदा विधेयकों की मूल रूपरेखा के अनुसार देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक चक्र में लाने की पहली वास्तविक संभावना 2034 से बनती है। संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच कर रही है। इन प्रावधानों का उद्देश्य अगले चुनाव चक्र में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ लाना है। लेकिन राजनीतिक सत्ता का गणित शायद अब 2034 तक इंतजार करने के मूड में नहीं है।

एनडीए के शासन वाले 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में से 11 में अगले दो वर्षों के भीतर विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में एनडीए अपनी सरकारें बरकरार रखता है, तो 2029 में लोकसभा चुनाव के साथ इन्हें चुनावी चक्र में लाने के लिए जनवरी 2029 तक विधानसभाएं भंग करने का विकल्प सामने आ सकता है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा में विधानसभा चुनाव पहले से ही लोकसभा चुनाव के साथ होते रहे हैं। इस प्रकार इन चार राज्यों को समन्वित चुनावी चक्र में लाना अपेक्षाकृत आसान होगा।इसके अलावा, संवैधानिक रास्ता भी राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। संविधान का अनुच्छेद 174(2)(इ) राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का अधिकार देता है, हालांकि सामान्य परिस्थितियों में यह फैसला मंत्रिपरिषद की सलाह पर होता है। विधानसभा भंग होने के बाद जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत निर्धारित समय सीमा में चुनाव कराना आवश्यक होता है। यही वह संवैधानिक खिड़की है, जिसके जरिए 2029 के साथ चुनावों का समन्वय करने की राजनीतिक संभावना तलाशी जा रही है।यहीं से 'एक देश, एक चुनाव' का प्रशासनिक तर्क सीधी राजनीतिक रणनीति में बदल जाता है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित विधानसभा का कार्यकाल तीन या चार वर्ष तक घटाकर चुनावी चक्र को एक साथ लाना महज चुनाव सुधार होगा, या फिर यह सत्ता की सुविधानुसार राजनीतिक कैलेंडर को पुनर्गठित करने की शुरुआत होगी? एनडीए के लिए यह योजना चुनावी संसाधनों, संगठनात्मक ताकत और राष्ट्रीय नेतृत्व की लोकप्रियता को एक साथ मैदान में उतारने का अवसर बन सकती है। एक ही समय में लोकसभा और विधानसभा चुनाव होने पर राष्ट्रीय मुद्दों की लहर राज्य–स्तरीय समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।राजनीतिक दृष्टि से यह विपक्ष के लिए बड़ी चुनौती होगी। पंजाब में 2027 और हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मिजोरम तथा तेलंगाना में 2028 में चुनाव प्रस्तावित हैं। इनके बाद चुनी जाने वाली विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 के लोकसभा चुनाव तक केवल एक या दो वर्ष पुराना होगा, जबकि यदि भविष्य में उन्हें लोकसभा चुनाव के चक्र से जोड़ा जाता है तो उनकी अवधि को लेकर अलग संवैधानिक और राजनीतिक बहस खड़ी होगी। दूसरी ओर, 2028 में मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, राजस्थान और त्रिपुरा जैसे राज्यों के चुनाव तथा 2029 के आसपास विभिन्न राज्यों के अलग–अलग चुनावी कार्यक्रम देश के मौजूदा बिखरे हुए चुनाव चक्र की जटिलता को दिखाते हैं।

संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी ने इस संभावना पर साफ कहा है कि 2029 में चुनावों को आगे बढ़ाकर एक साथ कराने का फैसला समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है और यह संबंधित एनडीए मुख्यमंत्रियों पर निर्भर करेगा। हम आपको याद दिला दें कि यह समिति दिसंबर 2024 में गठित हुई थी और राज्यों में सरकारों, विधायिकाओं, शिक्षाविदों, विधि विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से संवाद कर रही है। उसकी रिपोर्ट इस वर्ष संसद के शीतकालीन सत्र में आने की उम्मीद है।लेकिन राजनीतिक मोर्चे पर विपक्ष पहले ही अपनी तलवारें खींच चुका है। कांग्रेस का तर्क है कि 'एक देश, एक चुनाव' असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक और जवाबदेही की भावना के विरुद्ध है। विपक्ष का सवाल यह भी है कि यदि विधानसभा का जनादेश पांच वर्ष के लिए है, तो उसे राजनीतिक सुविधा के लिए बीच में समाप्त करना मतदाता के अधिकारों और संघीय ढांचे के साथ किस हद तक न्याय करेगा। यह विवाद उस समय और तीखा हो सकता है, जब परिसीमन को लेकर केंद्र और विपक्षी दलों के बीच पहले से ही अविश्वास मौजूद है।दरअसल, 2029 का संभावित प्रयोग केवल चुनावी तारीखें मिलाने की कवायद नहीं होगा। यह भारतीय राजनीति में केंद्र बनाम राज्यों, राष्ट्रीय नेतृत्व बनाम क्षेत्रीय मुद्दों और चुनावी दक्षता बनाम लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व की नई लड़ाई छेड़ सकता है। एनडीए इसे स्थिरता, कम खर्च और बार–बार लगने वाली आचार संहिता से मुक्ति के रूप में पेश कर रहा है, जबकि विपक्ष इसे राज्यों की राजनीतिक स्वायत्तता और अलग जनादेशों को राष्ट्रीय चुनाव की छाया में समेटने की कोशिश बता कर इसका विरोध कर रहा है। बहरहाल, 2029 का सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि लोकसभा और 22 राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होंगे या नहीं।

असली सियासी पहेली यह है कि क्या 'एक देश, एक चुनाव' के बहाने भारतीय राजनीति का चुनावी कैलेंडर बदलेगा, या फिर सत्ता के खेल का पूरा बोर्ड ही नए सिरे से सजाया जाएगा? वैसे यह स्पष्ट नजर आ रहा है कि 2029 की लड़ाई सिर्फ वोटों की नहीं बल्कि चुनाव की टाइमिंग को लेकर भी होगी।

कौन अपनी सरकार बचाएगा, किसकी विधानसभा का कार्यकाल घटेगा और किसे राष्ट्रीय लहर का सहारा मिलेगा, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा।

सम्पादकीय

कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं

अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोष भारत पर भी लगाया गया है। इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी ऐसी ही तोहमत मढ़ी गई है। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन को अपनी जमीन से कटी नीतियों में कोई खोट नजर नहीं आता! इसलिए उसके अधिकारी अपनी हर नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश करने लगते हैं! उनकी सोच ऐसी है कि जैसे सारी दुनिया के अमेरिका के लिए है, इसलिए तमाम देशों को उसके हित में काम करना चाहिए! इसका ताजा उदाहरण ह्वाइट हाउस की रिपोर्ट है, जिसमें चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध में अमेरिका की नाकामी का दोष अमेरिका के करीबी सहयोगियों समेत 40 से ज्यादा देशों पर मढ़ा गया है। जिनको अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोषी बताया गया है, उनमें भारत भी है।इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी चीन से सहयोग करने की तोहमत मढ़ी गई है। ह्वाइट हाउस के मुताबिक इन देशों ने अरबों डॉलर के टैरिफ से बचने में चीनी कंपनियों को मदद की। ये देश ट्रांसशिपिंग में मददगार बने। यानी चीनी कंपनियों ने उन देशों को अपने उत्पाद भेजे, जिन पर अमेरिका ने कम टैरिफ लगाए हैं। फिर वहां से उन वस्तुओं को अमेरिका निर्यात किया गया। मगर ये इल्जाम भूमंडलीकरण के दौर में खुद अमेरिकी पहल पर दुनिया में बनी आपूर्ति शृंखला का स्वाभाविक परिणाम है। इन शृंखलाओं के तहत अधिकांश अंतिम उत्पाद विभिन्न देशों में बने पाट–पुर्जों पर निर्भर हैं। चूंकि इस दौर में चीन ने खुद को श्दुनिया के कारखानेय के रूप में विकसित किया, तो लाजिमी है कि उस पर सबसे ज्यादा निर्भरता है। चीनी अर्थव्यवस्था के खास स्वरूप के कारण वहां बनी चीजें सस्ती पड़ती हैं, इसलिए भी अन्य देशों की कंपनियों के लिए वहां से आयात रोकना घाटे का सौदा बन जाता है। यही वजह है कि चीन के खिलाफ 2018 से शुरू अमेरिकी व्यापार युद्ध का ज्यादा असर नहीं हुआ है। चीन का निर्यात बढ़ता गया है। अमेरिका में भी अन्य स्रोतों से चीनी वस्तुओं का पहुंचना जारी है, जिसको लेकर ट्रंप प्रशासन के असंतोष का इजहार अब हुआ है। सबक यह है कि विश्व व्यापार की दिशा बदलने की कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं है, जिस बात को ट्रंप नहीं समझ पा रहे हैं।

एक देश, एक चुनाव की चर्चा तेज

अचानक श्एक देश, एक चुनावश्य की चर्चा तेज हो गई है। संसद की संयुक्त समिति यानी जेपीसी के अध्यक्ष पीपी चौधरी अचानक सक्रिय हो गए हैं और कहा जाने लगा है कि 2029 में ही पूरे देश के चुनाव एक साथ हो सकते हैं। मीडिया में इस पर बहसें होने लगी हैं। अचानक आई इस तेजी से दो सवाल उठते हैं। पहला तो यह कि सरकार अभी तक परिसीमन और महिला आरक्षण के प्रयास में लगी है तो फिर श्एक देश, एक चुनावश्य की चर्चा क्यों शुरू हुई और दूसरा सवाल यह कि अगर महिला आरक्षण कानून को सरकार संशोधित नहीं करा पा रही है तो पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए लाए गए संविधान के 129वें संशोधन विधेयक को कैसे पास कराएगी? ध्यान रहे जिस तरह नारी शक्ति वंदन कानून में बदलाव के लिए लाए गए 131वें संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरुरत है वैसे ही 129वें संशोधन के लिए भी दो तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है।

अगर सरकार 129वें संशोधन को पास नहीं करा पाती है तो 2029 में श्एक देश, एक चुनावश्य संभव नहीं है। इसके बावजूद अगर भाजपा चाहे तो बहुत से राज्यों के चुनाव लोकसभा के साथ करा सकती है। इसके लिए उसे अपने शासन वाले राज्यों की सरकारों से संबंधित राज्य की विधानसभा को समय से पहले भंग कराना होगा। अगर भाजपा ऐसा करती है तो कांग्रेस या दूसरी पार्टियों के शासन वाले राज्यों पर भी दबाव बनेगा कि वे इस अभियान में शामिल हों। इसके लिए भाजपा को अगले साल होने वाले चुनावों से ही तैयारी शुरू करानी होगी। हालांकि यह तय माना जा रहा है कि विपक्षी पार्टियां एक साथ चुनाव के लिए तैयार नहीं होंगी। कांग्रेस के पी चिदंबरम ने केंद्र सरकार के इस प्रयास को असंवैधानिक बताया है तो जेपीसी में शामिल तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष ने भी इसका विरोध किया है। दोनों ने समिति के सामने अपनी पार्टी की राय स्पष्ट रूप से रख दी है।इसलिए केंद्र सरकार और भाजपा के पास यह रास्ता बचता है कि वह अपने शासन वाले राज्यों की विधानसभा समय से पहले भंग कराए और एक साथ चुनाव करा कर एक मिसाल बनाए। वैसे लोकसभा के साथ चार राज्यों के चुनाव स्वतरू होते हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के चुनाव लोकसभा के साथ में होते हैं। इनके अलावा तीन अन्य राज्यों के चुनाव उसी साल के अंत में होते हैं। इनमें से दो राज्यों महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की सरकार है, जबकि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार है। चुनाव आयोग चाहे तो इन तीनों राज्यों का चुनाव मई में लोकसभा के साथ करा सकता है। इस तरह लोकसभा और सात राज्यों में एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं।

राष्ट्र-विरोधी हिंसक विचारधाराओं का सुरक्षित अड्डा नहीं बन सकता-शुभेंदु अधिकारी

शुभेंदु अधिकारी के इस कड़े रुख की तारीफ इसलिए होनी चाहिए कि उन्होंने उस असहज सवाल को उठाने का साहस किया है जिसे अक्सर राजनीतिक शुद्धता के नाम पर दबा दिया जाता है। विश्वविद्यालय विचारों की प्रयोगशाला हो सकता है, लेकिन वह राष्ट्र–विरोधी हिंसक विचारधाराओं का सुरक्षित अड्डा नहीं बन सकता। पश्चिम बंगाल का जादवपुर विश्वविद्यालय एक समय देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में गिना जाता था, लेकिन आज कैंपस से ज्ञान, शोध और अकादमिक विमर्श की बजाय 'आजादी' के नारे और विवादित राजनीतिक गतिविधियों की खबरें सुर्खियां बन रही हैं। यहां सवाल उस मानसिकता का है जो भारत में रहते हुए भारत से ही 'आजादी' की मांग करने तक पहुंच जाती है। देखा जाए तो 'कश्मीर मांगे आजादी' जैसे उद्घोष और माओवादी नेता किशनजी के समर्थन में लिखे नारों ने एक बेहद असहज सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर विश्वविद्यालय के भीतर किस तरह की राजनीति और किस तरह की मानसिकता को जगह दी जा रही है? देखा जाए तो जादवपुर की घटना ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि विश्वविद्यालयों को वैचारिक स्वतंत्रता का केंद्र बनाए रखा जाए या ऐसी राजनीति का अखाड़ा बनने दिया जाए, जो धीरे–धीरे पूरे अकादमिक माहौल को विषाक्त कर देती है।यह सवाल इसलिए भी गंभीर है क्योंकि 'आजादी' शब्द अपने आप में समस्या नहीं है। लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति जताने और सरकार की आलोचना करने का अधिकार है। लेकिन जब 'आजादी' का नारा भारत की संप्रभुता और अखंडता पर सवाल उठाने वाले नारों के साथ जुड़ता है, तब उसे महज छात्र राजनीति या वैचारिक असहमति कहकर टाल देना भी उचित नहीं होगा। जादवपुर में उठे नारों के संदर्भ में यही सबसे बड़ा प्रश्न है कि आखिर किससे और किस चीज से आजादी मांगी जा रही है?शुभेंदु अधिकारी ने इसी सवाल को बेहद तीखे अंदाज में उठाया है। विश्वविद्यालय के बाहर करीब दस हजार लोगों की मौजूदगी में 'वंदे मातरम्' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा परिसरों में इस तरह के नारे बंद होने चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि जिस आजादी के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस, खुदीराम बोस, भगत सिंह, मातंगिनी हाजरा और अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया, उस आजादी को हासिल किए दशकों बीत चुके हैं।शुभेंदु अधिकारी के इस कड़े रुख की तारीफ इसलिए होनी चाहिए कि उन्होंने उस असहज सवाल को उठाने का साहस किया है जिसे अक्सर राजनीतिक शुद्धता के नाम पर दबा दिया जाता है। विश्वविद्यालय विचारों की प्रयोगशाला हो सकता है, लेकिन वह राष्ट्र–विरोधी हिंसक विचारधाराओं का सुरक्षित अड्डा नहीं बन सकता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और देश की अखंडता को चुनौती देने के बीच एक स्पष्ट रेखा है। उस रेखा को जानबूझकर धुंधला करना लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा नहीं, बल्कि उनका दुरुपयोग है।सबसे चिंता की बात यह है कि जादवपुर की घटना को अलग–थलग घटना मानकर छोड़ देना वास्तविक समस्या से आंखें मूंदना होगा। देश के कई विश्वविद्यालयों में पिछले वर्षों में ऐसे नारे और ऐसी राजनीति कैंपस के अकादमिक वातावरण पर भारी पड़ी है। जेएनयू हो, हैदराबाद विश्वविद्यालय हो या दूसरे परिसरों में उभरे अतिवादी छात्र राजनीतिक संघर्ष हों, जब विश्वविद्यालय में पढ़ाई से ज्यादा पहचान की राजनीति, वैचारिक ध्रुवीकरण, हिंसक टकराव और उकसाऊ नारों को महत्व मिलने लगता है तो अंततः सबसे बड़ा नुकसान छात्रों की शिक्षा और संस्थान की प्रतिष्ठा को होता है। जादवपुर को लेकर शुभेंदु अधिकारी ने इसी संदर्भ में जेएनयू और उस्मानिया विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुए कैंपस को 'सुधारने' की बात कही है। यहां एक और सवाल पूछा जाना चाहिए। जो लोग हर मुद्दे पर 'आजादी' का नारा लगाते हैं, क्या वे देश के संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों को भी उसी गंभीरता से स्वीकार करते हैं? क्या उन्हें उन सैनिकों की चिंता है जो देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए शहीद हो जाते हैं? क्या उन्हें उन नागरिकों की चिंता है जो आतंकवाद का शिकार होते हैं? और यदि उनकी लड़ाई अन्याय

स्वास्थ्य दुश्चिंता विकार कारण, लक्षण व बचाव

डॉ मनोज कुमार तिवारी

यदि आप अपनी सेहत को लेकर सदैव चिंतित रहतें हैं, अपने शरीर में गांठ, झुनझुनी या दर्द जैसे बीमारी के लक्षणों की नियमित रूप से जांच करतें हैं, हमेशा लोगों से यह आश्वासन चाहते हैं कि आप बीमार नहीं हैं, सदैव सोचते रहतें हैं कि मेडिकल टेस्ट में कुछ छूट तो नहीं गया या इंटरनेट पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को हद से ज्यादा खोजते हैं तो आप बीमारी संबंधी चिंता विकार से ग्रस्त हो सकते हैं।

इलनेस एंग्जायटी डिसऑर्डरध हेल्थ एंग्जायटी डिसऑर्डर को बीमारी संबंधी चिंता विकार या हाइपोकॉन्ड्रिया भी कहते हैं। यह एक ऐसी मानसिक स्थिति है जिसमें व्यक्ति को लगातार डर रहता है कि उसे कोई गंभीरध जानलेवा बीमारी (कैंसर या दिल का दौरा) होने वाली है। सामान्य शारीरिक बदलावों या लक्षणों को भी व्यक्ति बहुत बड़ी बीमारी समझता है। बीमारी संबंधी चिंता विकार (हाइपोकॉन्ड्रिया) अत्यंत दुर्लभ है। यह लगभग 0.1त्न लोगों को प्रभावित करता है। बीमारी संबंधी चिंता विकार युवावस्था के शुरुआती या मध्य में शुरू होता है और उम्र के साथ बढता है। वृद्धजनों में स्वास्थ्य संबंधी चिंता उनकी याददाश्त खोने का डर होता है।बीमारी संबंधी चिंता विकार के दो प्रकार हैंरू–

'ईलाज की अत्यधिक आवश्यकतारू–' ये स्वास्थ्य सेवा केंद्र में काफी समय बिताते हैं और कई विशेषज्ञों से सलाह लेते हैं। बार बार चिकित्सीय जाँच का अनुरोध करते हैं।'ईलाज से बचने की प्रवृत्तिरू–' ये स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और चिकित्सा देखभाल से बचने की कोशिश करते हैं। इन्हें चिकित्सक पर भरोसा नहीं होता है। इन्हें लगता है कि चिकित्सक लक्षणों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं जिससे इनमें और अधिक चिंता उत्पन्न होती है।'लक्षणरू–''बार–बार स्वास्थ्य की जांच करना–' पीडित बार–बार अपना ब्लड प्रेश, शुगर, नब्ज नापना या शरीर पर किसी तिलधनिशान को बार– बार देखकर चिंतित होना।'गूगल पर बीमारी खोजनारू–' छोटे लक्षणों के लिए इंटरनेट पर गंभीर बीमारी ढूंढना।

'बार बार चिकित्सक से मिलनारू–' लगातार व बार – बार मेडिकल जाँच करवाना और चिकित्सक के यह कहने पर भी संतुष्ट न होना कि आप बिल्कुल स्वस्थ हैं।'घबराहटरू–' बीमारी के बारे में अधिक सोचने से उत्पन्न अत्यधिक तनाव के कारण दिल की धड़कन तेज होना, पसीना आना, बैचेनी या चक्कर आना।'लगातार डर–' बीमारी होने के विचार से दिनभर परेशान व भयभीत रहना व रुचिकर कामों में भी मन न लगना।'कारणरू–''बचपन का मानसिक आघातरू–' बचपन में किसी गंभीर बीमारी का सामना करना या परिवार में किसी की गंभीर बीमारी और मौत देखना। इस विकार एक प्रमुख कारण है।'अत्यधिक तनावरू–' जीवन में उच्च स्तर व लंबे समय तक रहने वाला मानसिक तनाव, नौकरी या कार्य का दबाव या व्यक्तिगत समस्याएं।'इंटरनेट–' लक्षणों को बार–बार ऑनलाइन गूगल पर सर्च करना (जिसे साइबरकॉन्ड्रिया कहा जाता है) तथा गलत जानकारी होने से सदैव डरे रहना।'पारिवारिक इतिहासरू–' माता–पिता, परिवार के अन्य सदस्यों या निकट रिश्तेदार में का बहुत ज्यादा चिंतित रहने का स्वभाव होना।'मस्तिष्क के रसायनरू–' मस्तिष्क में कुछ रसायनों (न्यूरोट्रांसमीटर) का असंतुलन होना जो डर व चिंता को नियंत्रित करते हैं।'बीमारी का पिछला अनुभवरू–' अतीत में किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित होना या गलत मेडिकल टेस्ट जिसका असर मन पर गहरा असर डाला हो।'जोखिम कारक–'' जीवन में अत्यधिक तनाव का होना' किसी गंभीर बीमारी का खतरा जो अंततरू गंभीर न निकले' बचपन में दुर्व्यवहारध मानसिक आघात' बचपन में गंभीर बीमारी होना' माताध पिता को गंभीर बीमारी होना' अत्यधिक चिंता करने की प्रवृत्ति' स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग करना।'जटिलताऐं– ' अत्यधिक चिंता करने से दूसरों को निराशा होती है, जिससे रिश्तों में या पारिवार में समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ' कार्य निष्पादन में गिरावट ' कार्य स्थल पर अत्यधिक अनुपस्थिति ' दैनिक जीवन के कामकाज में समस्याएं ' स्वास्थ्य देखभाल हेतु यात्रा और चिकित्सा व्ययों के कारण वित्तीय समस्याएं ' अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित होना, जैसे– दैहिक लक्षण विकार, उच्च तनाव, अवसाद, व्यक्तित्व विकार व अन्य 'वचाव के उपायरू–' 'इंटरनेट पर सर्च न करें–' लक्षणों के बारे में बार–बार गूगल पर पढ़ना तुरंत बंद करें, इससे डर और बढ़ता है। चिकित्सक से सलाह लें तथा उस पर विश्वास रखें। 'ध्यान और योग करेंरू–' मन को शांत रखने के लिए लम्बी गहरी सांस लेने के अभ्यास और ध्यान की मदद लें। 'बीमारी सम्बंधित कार्यक्रम से बचेंरू–'गंभीर बीमारी से संबंधित किसी भी कार्यक्रम देखने व सुनने से बचें। इससे बीमारी सम्बंधित दुश्चिंता विकार के लक्षण के बढने व गंभीर होने का जोखिम बढ जाता है।'सामान्य गतिविधियों से जुड़ेरू–'बीमारी संबंधी चिंताओं के कारण जिन क्रियाकलापों से आप बचते आ रहें हों, जैसे– खेलकूद या सामाजिक गतिविधियों को धीरे–धीरे शुरू करें।'ध्यान भटकाएंरू–' जब भी बीमारी का विचार आए, खुद को अपने किसी मन पसंद के काम या बातचीत में व्यस्त करें। जब आपको अपने शरीर की जांच करने की तीव्र इच्छा हो तो टहलने जाऐं या दोस्तों से बातें करें।'खुद को शांत रखेंरू–'यदि स्वास्थ्य की चिंता अधिक सताऐ तो शांत मन से इस बारे में सोचिए कि जो बीमारी है ही नहीं उससे क्यों डरना है और अपने जीवन के अच्छे दिनों को याद करें। अपने को पसंदीदा काम में व्यस्त रखिए।'मनोवैज्ञानिक परामर्श लेंरू–' यदि स्थिति रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करे, तो अच्छे मनोचिकित्सक से परामर्श लें। मनोचिकित्सक कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी व अन्य व्यवहारिक चिकित्सा से सहयोग देतें हैं।।'दवाएँरू–'एंटीडिप्रेसेंट व चिंता–विरोधी दवाएं चिंता को तुरंत कम करने के लिए दी जाती हैं। दवाएं चिकित्सक के सलाह अनुसार ही लें अपने से डोज मेँ परिवर्तन न करें। अपने स्वास्थ्य की देखभाल की चिंता करना एक सामान्य प्रवृत्ति है किंतु जब यह प्रवृत्ति दिनचर्या के कार्यों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगे तो उपरोक्त उपायों को अपनाकर इससे मुक्त रह सकते हैं बताए गये उपायों को अपनाने के बाद भी यदि बीमारी संबंधी दुश्चिंता कम नहीं होती है तो मनोवैज्ञानिक परामर्श लेना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशि

आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। ऑफिस में आज किसी बड़े काम की जिम्मेदारी आपके कंधों पर आ सकती है।

वृष राशि

आज का दिन बेहतर होगा। व्यापार को बढ़ाने से धन लाभ में काफी इजाफा होगा। किसी काम को करने में आज जल्दबाजी करने से बचें।

मिथुन राशि

आज जिस काम को पूरा करना चाहेंगे वह आसानी से पूरा हो जाएगा। शाम तक घरेलू सामान खरीदने के लिए मार्केट भी जा सकते हैं।

कर्क राशि

आज तकदीर आपके साथ रहेगी। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहे हैं वह आज किसी दोस्त की मदद से पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के मामले में राय देने से बचें।

सिंह राशि–

आज का दिन अच्छा रहने वाला है। बिजनेस में रोज की अपेक्षा ज्यादा फायदा होने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को इंक्रीमेंट मिलेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन काफी बढ़िया रहेगा।

कन्या राशि–

आज का दिन बेस्ट है। कई दिनों से आपकी तरक्की में आ रही रुकावटें आज दूर हो जाएंगी।

तुला राशि

आज आपकी अंदरूनी ताकत कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी।

वृश्चिक राशि

आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहेगा। आज प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए दिन शुभ है। आज धार्मिक कार्यों में जीवनसाथी के साथ जाने का मन बनाएंगे।

धनु राशि

आज का दिन सामान्य रहेगा। आज वैवाहिक जीवन में नई–नई खुशियां आएंगी। आज किसी अन्य पर भरोसा न करें।

मकर राशि

आज ऑफिस में आपका कॉन्फिडेंस देखकर बॉस आपसे खुश हो जाएंगे। अगर आज नए काम को शुरू करेंगे तो आगे चलकर आपको काफी फायदा होगा।

कुंभ राशि

आज का दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के ट्रेवल्स एजेंसी वाले लोगों को आज उम्मीद से अधिक लाभ होने वाला है। अचानक कहीं धन लाभ होने के योग बने हुए हैं।

मीन राशि

इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। आज व्यापार में आर्थिक लाभ की संभावना बनी हुई है। आज आपका मन किसी पुराने मित्र से मिलने का करेगा,

विद्यालयों का कायाकल्प कर रही सरकार- आरपीएन सिंह

कुशीनगर,(आरएनएस)। राज्यसभा सांसद व भारत सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार विद्यालयों का कायाकल्प करने का अभियान शुरू किया है। जर्जर विद्यालय भवनों के जीर्णोद्धार के लिए सरकार ने एक योजना शुरू की है। जिस योजना के तहत प्राप्त धनराशि से शिक्षण कक्षों का जीर्णोद्धार हो रहा है। उक्त बातें प्रदेश सरकार की कल्याणकारी अलंकार योजना में चयनित नेहरू इंटर कालेज मंसाछापर में नवीन शिक्षण कक्षों के निर्माण के लिए आयोजित शिलान्यास समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए न सिर्फ लिखापढ़ी वरन फाइलों की संस्तुति के कितना श्रम करना पड़ता है। यह दिखता नहीं हैं। परंतु कार्य पूर्ण होने की सर्वाधिक उपयोगी श्रम यात्रा यही होती है। इसके लिए जनप्रतिनिधि को पूर्ण समर्पण के साथ पूरी ऊर्जा लगानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि विशुनपुरा जैसे अत्यंत पिछड़े ब्लाक के बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी इस विद्यालय ने ली। जो अपने उद्देश्य में पूरी तरह सफल है। इस विद्यालय को बनाने वालों ने शिक्षित पीढ़ियों का निर्माण किया है। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि विद्यालय का प्रबंधतंत्र बच्चों की उत्कृष्ट शिक्षा का वातावरण सृजन करने महती भूमिका निभाई है। क्षेत्र के विकास में जो अहम भूमिका राज्यसभा सांसद कुंवर आरपीएन सिंह ने निभायी है, वह अविष्मरणीय है। विशिष्ट अतिथि विशुनपुरा ब्लाक प्रमुख विंध्यवासिनी श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय को संसाधनों से युक्त करने की मेरी भी जिम्मेदारी है। इस दायित्व को पूरा करने में अपनी पूरी ऊर्जा लगा देंगे। नगर पालिका कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि निर्धन परिवारों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने में नेहरू इंटर कालेज की अहम भूमिका है। यह विद्यालय अनुशासन के मामले में ख्यातिलब्ध है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम मुरली मनोहर मिश्र ने कहा कि पडरौना के उत्तरी इलाके में स्थित यह विद्यालय सर्वाधिक गौरवपूर्ण है। विद्यालय परिवार भी बच्चों के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है। हनुमान इंटर कालेज के प्रबंधक मनोज शर्मा सारस्वत ने अतिथियों के आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विधिवत मंत्रोच्चारण के बीच शिलापूजन किया।शिलान्यास समारोह का संचालन प्रबंधक प्रतिनिधि हनुमान इंटर कालेज, पडरौना के प्रधानाचार्य शैलेन्द्र दत्त शुक्ल ने किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य साधु शरण पांडेय ने अतिथियों को उत्तरीय व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य परिषद के संरक्षक डॉ गोरख राय, स्काउट गाइड के पूर्व जिला मुख्यायुक्त अश्विनी पांडेय, प्रमुख व्यवसायी अजय गुप्ता, रियल पैराडायज एकेडमी, पडरौना की प्रिंसिपल डॉ सुनीता पांडेय, समाजसेवी सुधीर शाही, प्रधान ज्ञानेंद्र यादव, ग्राम प्रधान उदय भान मधेसिया, पूर्व प्रधानाचार्य मदन मोहन पांडेय, मार्कण्डेय गौतम ,राकेश दत्त शुक्ल, भारत विकास परिषद के सचिव विपिन मल्ल ,सीताराम कुशवाहा, सिंहासन पाल, विमलेश चौबे, मुकेश राय, मनोज राय, देवेंद्र राय, भोला, कपिलदेव श्रीवास्तव, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कुर्सी किरन की,हुक्म राकेश का? ईओ बोलीं सांसद प्रतिनिधि राकेश

कुशीनगर, (आरएनएस)। नगर पालिका परिषद कुशीनगर में अधिकारों की तस्वीर दिलचस्प हो गई है। एक तरफ निर्वाचित अध्यक्ष किरन जायसवाल ने एसडीएम के निरीक्षण को असंवैधानिक मानते हुए नोटिस जारी कर दिया, दूसरी तरफ अध्यक्ष की कुर्सी के ठीक बगल बैठने वाले उनके पति राकेश जायसवाल की नगर पालिका के कामकाज में सक्रिय भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। पालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश देने से लेकर निर्माण कार्यों का मौके पर निरीक्षण करने तक उनकी मौजूदगी चर्चा में है। मीडिया ने जब ईओ अंकिता शुक्ला से पूछा कि आखिर राकेश जायसवाल किस नियम या शासनादेश के तहत अध्यक्ष कक्ष में बैठते हैं, तो जवाब मिला आपको जानकारी नहीं है, वह सांसद प्रतिनिधि हैं। लेकिन किस सांसद के प्रतिनिधि हैं, इस सवाल पर ईओ ने कोई जवाब नहीं दिया। ऐसे में एसडीएम को अध्यक्ष की ओर से दी गई नोटिस, जिलाधिकारी के 11 बिंदुओं पर जांच के आदेश और राकेश जायसवाल की कथित प्रशासनिक सक्रियता के बीच अब सवाल सिर्फ एक कुर्सी का नहीं है बल्कि सवाल यह है कि नगर पालिका में अधिकार की वास्तविक रेखा आखिर कहां खिंची है और उसे पार कौन कर रहा है? ।बताते चलें कि राकेश जायसवाल, नगरपालिका परिषद के निर्वाचित अध्यक्ष किरन जायसवाल के पति हैं, यह पारिवारिक संबंध है। सवाल यह है कि वह किस अधिनियम, नियम अथवा शासनादेश के तहत नगर पालिका अध्यक्ष के कक्ष में अध्यक्ष की कुर्सी के बगल में अपनी कुर्सी लगाकर बैठते हैं और पालिका के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ प्रशासनिक भूमिका में दिखाई देते हैं? जानकारों का कहना है कि राकेश जायसवाल सिर्फ अध्यक्ष पति होने के वजह से अध्यक्ष के कक्ष अध्यक्ष के कुर्सी के बगल मे अपनी कुर्सी लगाकर बैठते है तो यह पूरी तरह असंवैधानिक व घोर नियम विरुद्ध है और यदि वह किसी आधिकारिक पद अथवा प्रतिनिधि की हैसियत से बैठते हैं तो वह अधिकार किस किस नियम, अधिनियम व शासनादेश के तहत मिला है? यह वह सवाल है जिसका जवाब नगर पालिका प्रशासन को हर हाल मे सार्वजनिक करना चाहिए।

ईओ ने कहा– सांसद प्रतिनिधि है राकेश जायसवालरू– अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला का यह कहना कि राकेश जायसवाल सांसद प्रतिनिधि हैं, मामले को और गंभीर बनाता है। किसी सांसद का प्रतिनिधि होना एक अलग पहचान है और नगर पालिका अध्यक्ष के पति होना अलग। इसलिए अब सबसे पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि राकेश जायसवाल किस सांसद के प्रतिनिधि हैं।यदि कोई अधिकृत नियुक्ति है तो संबंधित सांसद का नाम, नियुक्ति पत्र, तारीख और जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए। क्योंकि पद है तो आदेश जरूरी है और आदेश है तो उसका रिकॉर्ड भी होना चाहिए। लेकिन मीडिया के सीधे सवाल के बाद भी सांसद का नाम सामने नहीं आना अब अपने आप में चर्चा का विषय बन गया है। अध्यक्ष प्रतिनिधिश से श्सांसद प्रतिनिधिश तक! असली पहचान कौन ?रू– राकेश जायसवाल की भूमिका को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। कहीं उन्हें अध्यक्ष का प्रतिनिधि बताया जाता है तो अब ईओ उन्हें सांसद प्रतिनिधि बता रही हैं। यदि वह अध्यक्ष के प्रतिनिधि हैं तो किस नियम के तहत? और यदि सांसद प्रतिनिधि हैं तो किस सांसद के? यदि दोनों हैं तो दोनों नियुक्तियों के आदेश कहां हैं, और अगर कोई लिखित नियुक्ति नहीं है तो सरकारी कार्यालय में उनकी भूमिका क्या है? एक व्यक्ति, दो पहचान और दोनों के अधिकार का दस्तावेज गायब यही इस पूरे प्रकरण का सबसे बड़ा सवाल बन गया है।

शिलापट्ट पर पति का नाम, कक्ष में पति की कुसीर्रू– राकेश जायसवाल की भूमिका को लेकर सवाल इसलिए भी गहरा रहे हैं क्योंकि नगर पालिका के विकास कार्यों के शिलापट्टों पर अध्यक्ष का नाम किरन जायसवाल होने के बावजूद किरन राकेश जायसवाल लिखे जाने पर पहले से सवाल उठ चुके हैं।उस मामले में ईओ अंकिता शुक्ला ने इसे प्रचलन बताया था।अब अध्यक्ष कक्ष में अध्यक्ष की कुर्सी के ठीक बगल में राकेश जायसवाल की कुर्सी और फिर उन्हें सांसद प्रतिनिधि बताया जाना इन दोनों घटनाओं ने नगर पालिका के कामकाज को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। ऐसे मे सवाल उठना लाजमी है कि क्या यह महज संयोग है या किसी स्थापित व्यवस्था का हिस्सा?अगर व्यवस्था है तो उसका नियम क्या है?अगर नियम है तो आदेश कहां है? और अगर आदेश है तो सार्वजनिक क्यों नहीं?।

सांसद प्रतिनिधि हैं तो कुशीनगर पालिका तक ही क्यों?–– जानकारों का कहना है कि यदि राकेश जायसवाल किसी सांसद के प्रतिनिधि हैं तो उनका दायित्व सिर्फ कुशीनगर नगर पालिका के दायरे में ही क्यों दिखाई देता है। कुशीनगर संसदीय क्षेत्र में आने वाली दूसरी नगर पालिकाएं और नगर पंचायतें भी हैं। वहां भी केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से विकास कार्य होते हैं। तो क्या राकेश जायसवाल वहां भी निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हैं? क्या वहां के अधिकारियों के साथ भी इसी तरह बैठते हैं?

क्या वहां भी उन्हें सांसद प्रतिनिधि के रूप में जाना जाता है?यदि नहीं, तो कुशीनगर नगर पालिका में उनकी विशेष सक्रियता का आधार क्या है?।

ईओ के साथ निर्माण स्थलों पर निरीक्षण, तस्वीरें सोशल मीडिया पररू– राकेश जायसवाल की भूमिका को लेकर सवाल सिर्फ मौखिक चर्चाओं पर आधारित नहीं हैं। उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसी तस्वीरें भी अपलोड की गई हैं, जिनमें वह नगर में चल रहे निर्माण कार्यों का ईओ के साथ मौके पर निरीक्षण करते दिखाई देते हैं। अब सवाल यह है कि यदि वह नगर पालिका के अधिकारी नहीं हैं तो इन सरकारी निर्माण कार्यों के निरीक्षण में उनकी भूमिका क्या है?क्या वह अधिकृत निरीक्षण टीम का हिस्सा है?क्या उनके निरीक्षण का कोई सरकारी रिकॉर्ड तैयार हुआ?क्या उनकी टिप्पणी या निर्देश किसी सरकारी फाइल का हिस्सा बने? यदि नहीं, तो फिर सरकारी निर्माण स्थल पर उनकी भूमिका किस हैसियत से थी और है?।

त्यौहारों एवं परीक्षाओं के दृष्टिगत जनपद में धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू

कुशीनगर, (आरएनएस)। आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गांधी जयंती, दशहरा, महाष्टमी, महानवमी एवं विजयादशमी सहित विभिन्न त्यौहारों तथा जनपद में आयोजित होने वाली विभिन्न परीक्षाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जनपद में धारा–163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर आगामी 25 अक्टूबर तक अथवा इसे वापस लिए जाने तक प्रभावी रहेगा।

अपर जिला मजिस्ट्रेट बैभव मिश्रा ने बताया कि आगामी त्यौहारों एवं परीक्षाओं के दौरान विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने की संभावना को देखते हुए लोक शांति, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है। इसी के दृष्टिगत जनपद में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। उन्होंने जनपदवासियों से आदेश का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। जारी आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति राजमार्ग अथवा सड़क जाम नहीं करेगा और न ही व्यापारिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, सार्वजनिक परिवहन, रिक्शा, टैक्सी आदि सामान्य परिवहन को रोकने अथवा जबरन बंद कराने का प्रयास करेगा। किसी भी स्थान पर पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि यह प्रतिबंध कार्यालयों, रेलवे स्टेशन एवं बस स्टेशन पर लागू नहीं होगा। सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना सभा, जुलूस, धरना अथवा प्रदर्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। पारंपरिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा एवं परीक्षाओं के शांतिपूर्ण संचालन के लिए परीक्षा केंद्रों के आसपास 100 मीटर की परिधि में बाहरी व्यक्तियों की उपस्थिति प्रतिबंधित रहेगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा स्थल की निर्धारित परिधि में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं शस्त्र आदि लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। आदेश के तहत जनपद सीमा में किसी भी व्यक्ति द्वारा लाठी, डंडा, बल्लम, फरसा, धारदार हथियार, आग्नेयास्त्र, सोडा वाटर की बोतल अथवा किसी व्यक्ति को चोट पहुंचाने में प्रयुक्त होने वाली अन्य वस्तु लेकर चलना प्रतिबंधित रहेगा। किसी रेस्टोरेंट, बार, छविगृह, शासकीय कार्यालय अथवा सार्वजनिक स्थान पर आग्नेयास्त्र आदि का प्रदर्शन अथवा प्रयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। ड्यूटी पर तैनात सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा वृद्ध एवं दिव्यांग व्यक्तियों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

सार्वजनिक स्थानों पर आपत्तिजनक, अश्लील अथवा साम्प्रदायिक नारे एवं भाषण करने तथा सोशल मीडिया, ऑडियो–वीडियो या अन्य माध्यमों से ऐसे संदेश प्रसारित करने पर प्रतिबंध रहेगा, जिससे साम्प्रदायिक सौहार्द प्रभावित होने, किसी व्यक्ति अथवा समुदाय की भावनाएं आहत होने या लोगों में शत्रुता एवं वैमनस्य की भावना उत्पन्न होने की संभावना हो। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने अथवा फैलाने का प्रयास करने पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। धार्मिक पर्वों के सभी कार्यक्रम परंपरागत रूप से निर्धारित व्यवस्था के अनुसार आयोजित किए जाएंगे तथा किसी नई प्रथा अथवा नए मार्ग का प्रयोग नहीं किया जाएगा। किसी व्यक्ति द्वारा अपने घर, आंगन, बरामदे, छत, दीवार अथवा अन्य स्थान पर ईंट, पत्थर, गुम्मे, तेजाब अथवा किसी अन्य चोट पहुंचाने वाली वस्तु को एकत्र नहीं किया जाएगा। किसी भी कार्यक्रम अथवा पर्व के आयोजन के लिए जबरन चंदा वसूली पर भी प्रतिबंध रहेगा। विद्युत कार्यों के लिए अवैध कटिया कनेक्शन का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। विद्युत आपूर्ति के लिए विद्युत विभाग से नियमानुसार शुल्क जमा कर वैध अस्थायी कनेक्शन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। वाहनों पर अनधिकृत रूप से लाल–नीली बत्ती, हूटर अथवा सायरन का प्रयोग तथा वाहनों के शीशों पर काली फिल्म का उपयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान, सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्था, स्कूल, कॉलेज आदि को जबरन बंद कराने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही ऐसी कोई विवरण पत्रिका, पुस्तक, लेख अथवा अन्य सामग्री प्रकाशित या प्रसारित नहीं की जाएगी, जिससे किसी व्यक्ति अथवा वर्ग या समुदाय में घृणा, द्वेष अथवा वैमनस्य की भावना उत्पन्न हो।

पुलिस ने लूट की घटना का किया खुलासा, 3 शातिर अभियुक्तगिरफ्तार, लूट का सामान बरामद

कुशीनगर,(आरएनएस)। जिले के सेवरही व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना का सफल अनावरण कर घटना में शामिल 03 शातिर अभियुक्तों को लूट कर सामान के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में लूट की घटना का खुलासा करते अपर पुलिस अधीक्षक सिद्दार्थ वर्मा ने पत्रकारों को बताया कि बीते 30 अगस्त को सेवरही पुलिस व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 208ध्2026 धारा 309(4) बीएनएस से संबंधित में 03 शातिर अभियुक्त फैयाज शेख पुत्र मुस्लिम साकिन रकबा दुलमा पट्टी टोला रामसगरा थाना सेवरही जनपद कुशीनगर, नजरे आलम पुत्र हैदर अली निवासी रकबा दुलमा पट्टी टोला रामसगरा थाना सेवरही जनपद कुशीनगर, आसीर अली पुत्र मुजाम अली निवासी मझम्मपुर थाना बेलडन्गा जनपद मुर्शीदाबाद पश्चिम बंगाल हा0मु0 भटवलिया नं0 2 थाना तमकुहीराज जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से लूट की मोबाइल, सैमसंग कंपनी की व लेडिज पर्स तथा 9100ध– रुपये नगद की बरामदगी की गयी। पुलिस के अनुसार बीते 15 अगस्त को दिलीप सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी गौरी श्रीराम, थाना विशुनपुरा, जनपद कुशीनगर अपनी पत्नी पम्मी पटेल और पुत्र आदर्श सिंह के साथ तमकुहीराज मेला घूमकर रात करीब 10 बजे घर लौट रहे थे। रास्ते में अहिरौली हनुमान सिंह स्थित दुर्गा माता मंदिर के पास पहुँचने पर दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार पीछे से आए और दिलीप सिंह की पत्नी का हैंडबैग छीनकर भाग गए। हैंडबैग में 10,000 रुपए नकद और एक सैमसंग एंड्रॉइड मोबाइल रखा था। घटना की सूचना पर थाना स्थानीय में मु0अ0सं0 208ध्2026 धारा 309(4) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस ने मामले में शामिल दो अभियुक्तों फैयाज शेख एवं नजरे आलम उपरोक्त को गिरफ्तार किया। फैयाज व नजरे आलम आपस में अच्छे मित्र है। पुलिस द्वारा नजरे आलम से पुछताछ की गयी तो उसके द्वारा बताया गया कि उसने यह घटना अपनी नयी नवेली पत्नी को नया मोबाइल देने के लिये कारित किया है। इनके कब्जे से लूटी गई राशि में से 9,100 रुपए तथा पर्स हैंडबैग बरामद हुआ। गिरफ्तार उपरोक्त दोनों अभियुक्तों ने लूटे हुए मोबाइल तमकुहीराज स्थित पुरानी मोबाइल खरीद–बिक्री की दुकान पर तीसरे अभियुक्त आसीर अली पश्चिम बंगाल, हा0मु0 भटवलिया नं0 2 थाना तमकुहीराज जनपद कुशीनगर निवासी को बेच दिया था। पुलिस ने आसीर अली के पास से उक्त सैमसंग मोबाइल बरामद कर लिया है। आसीर अली का अतिरिक्त आपराधिक कृत्य–आसीर अली चोरी के मोबाइलों को खोलकर उनके कीमती पार्ट्स (स्क्रीन, टच, कैमरा, बैटरी आदि) अलग–अलग निकालकर पश्चिम बंगाल में बेचने का काम करता था। उसकी दुकान से पुलिस ने 18 अदद खुले मोबाइल, बड़ी मात्रा में एंड्रॉइड मोबाइल पार्ट्स तथा कीपैड मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस टीम ने गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों को मु0अ0सं0 208ध्2026 धारा 309(4),317(2),3(5) बीएनएस के तहत जेल भेज दिया है। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा सेवरही, उ0नि0 स्वतंत्र कुमार सिंह प्रभारी स्वाट, उ0नि0 सन्नी दूबे प्रभारी सर्विलांस, उ0नि0 अनिल कुमार शर्मा चौकी प्रभारी कस्बा सेवरही, उ0नि0 राम सिंह, उ0नि0 राजेश यादव,

अमित सिंह कम्प्यूटर आपरेटर सर्विलांस सेल, हे0का0 रामइकबाल राव स्वाट टीम, हे0का0 संतोष कुमार सिंह, हे0का0 राहुल सिंह, हे0का0 सत्येन्द्र कुमार, का0 शिवानन्द सिंह, का0 ऋषि पटेल, का0 अंकित सिंह, हे0का0 उमेश कुमार, का0 पवन कुशवाहा, का0 गिरीशचन्द गौड शामिल रहे।

आगामी पेराई सत्र के लिए गन्ना आपूर्ति एवं कैलेण्डरिंग नीति जारी

गन्ना किसानों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय।

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला गन्ना अधिकारी हूदा सिद्दीकी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा पेराई सत्र 2026–27 के लिए गन्ना आपूर्ति एवं कैलेण्डरिंग नीति जारी कर दी गई है। नीति में गन्ना किसानों की सुविधा, पारदर्शिता तथा गन्ना खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि लघु एवं अति लघु महिला गन्ना किसानों को रक्षाबन्धन के अवसर पर विशेष प्राथमिकता दी गई है। उनकी पेड़ी एवं पौधा गन्ने की पर्चियां निर्धारित पक्षों में जारी कर समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। पहली बार दिव्यांग लघु गन्ना किसानों को भी गन्ना आपूर्ति में विशेष सुविधा प्रदान की गई है। लघु किसानों की श्रेणी का विस्तार करते हुए 90 कुंतल तक सट्टा धारक किसानों को लघु किसान माना गया है। ऐसे किसानों को पेड़ी गन्ने की पर्चियां प्रथम से तृतीय पक्ष तथा पौधा गन्ने की पर्चियां सातवें से नौवें पक्ष तक उपलब्ध कराई जाएंगी। गन्ना खेती में यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए ट्रेन्च अथवा दोहरी पंक्ति विधि से बुवाई करने वाले किसानों को 15 दिन पूर्व गन्ना आपूर्ति की सुविधा दी जाएगी। केन हार्वेस्टर से कटाई कराने के इच्छुक किसानों के लिए हार्वेस्टर सेंटर बनाए जाएंगे तथा उनकी आवश्यकता के अनुसार हार्वेस्टर मोड की पर्चियां उपलब्ध कराई जाएंगी। किसानों की सुविधा के लिए पर्ची पर निर्धारित वजन से 20 प्रतिशत तक अधिक गन्ने की तौल की अनुमति दी गई है। अतिरिक्त उपलब्ध गन्ने की आपूर्ति के लिए पारदर्शी व्यवस्था के तहत अतिरिक्त सट्टा भी किया जा सकेगा। वहीं, जिन परिवारों की कृषि भूमि एक से अधिक सदस्यों के नाम दर्ज है, वे आपसी सहमति से किसी एक नामित सदस्य के माध्यम से गन्ने की आपूर्ति कर सकेंगे।सैनिकों, अर्द्धसैनिक बलों, भूतपूर्व सैनिकों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके विधिक उत्तराधिकारियों को गन्ना आपूर्ति में 20 प्रतिशत प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि गन्ना किसानों को सर्वेक्षण, बेसिक कोटा, बेसिक सट्टा, कैलेण्डरिंग, पर्ची निर्धारण एवं निर्गमन तथा गन्ना आपूर्ति से संबंधित जानकारी एसजीके पोर्टल एवं 'ई–गन्ना एप' के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध होगी। किसानों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक समिति क्षेत्र में शिकायत अधिकारी नामित किए जाएंगे।

नेपाल में आई बाढ़ के कारण गंडक, नारायणी नदी क्षेत्र से मिले 07 अज्ञात शवों के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्रवाई जारी

कुशीनगर, (आरएनएस)। अपर जिलाधिकारी कुशीनगर वैभव मिश्रा ने बताया कि नेपाल में आई बाढ़ के कारण जनपद में गंडक, नारायणी नदी के क्षेत्र से अब तक कुल 07 अज्ञात शव मिले हैं। वर्तमान में इन शवों की पहचान पूर्ण रूप से नहीं हो सकी है।उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन कुशीनगर द्वारा सभी शवों को ससम्मान जिला अस्पताल कुशीनगर के डीप फ्रीजर में सुरक्षित रखा गया है, ताकि पहचान एवं आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण होने तक शवों का सुरक्षित संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। शवों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा नेपाल के सीमावर्ती संबंधित जिला प्रशासन एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय एवं वार्ता की जा रही है। साथ ही शवों की पहचान एवं उनके परिजनों की जानकारी प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि किसी शव की पहचान सुनिश्चित होने तथा आवश्यक वैधानिक औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत संबंधित शव को नियमानुसार पूरे सम्मान के साथ उसके परिजनों अथवा अधिकृत प्रतिनिधि को सुपुर्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में जिला प्रशासन द्वारा मानवीय संवेदनाओं, गरिमा एवं निर्धारित वैधानिक प्रोटोकॉल का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।इसी क्रम में रविवार को कुशीनगर जिला प्रशासन ने नेपाल के त्रिशूली नदी में लगातार जल स्तर बढ़ने की सूचना पर सतर्क है। जिसका प्रभाव गंडक, नारायणी नदी में जल प्रवाह पर भी पड़ेगा। महराजगंज व कुशीनगर में बाढ़ राहत टीमें पूरी तैयारी के साथ एलर्ट कर दिया गया है।

सोहसा मोक्ष धाम के लिए एकजुट हुए क्षेत्रवासी

कुशीनगर, आरएनएस)। शासन प्रशासन की नजर से उपेक्षित कसया तहसील के छोटी गंडक नदी तट स्थित सोहसा मोक्ष धाम के विकास एवं वहां आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर रविवार को नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान के सचिव डॉ. हरिओम मिश्र के आह्वान पर मोक्ष धाम परिसर में क्षेत्रीय नागरिकों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मोक्ष धाम की वर्तमान स्थिति, आवश्यक सुविधाओं तथा विकास कार्यों को लेकर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। बैठक में देव दीपावली के अवसर पर वर्ष 2024 एवं 2025 में क्षेत्रीय सांसद विजय कुमार दुबे द्वारा सोहसा मोक्ष धाम के विकास के संबंध में की गई घोषणाओं का उल्लेख करते हुए विश्वास व्यक्त किया गया कि सांसद क्षेत्रवासियों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य अवश्य प्रारंभ कराएंगे। इसके लिए आगामी 30 सितंबर तक प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी स्मरण किया गया कि देव दीपावली 2025 के अवसर पर क्षेत्रवासियों ने संकल्प लिया था कि यदि जिम्मेदार स्तर से मोक्ष धाम का विकास नहीं कराया जाता है तो जनसहयोग से आवश्यक विकास कार्य कराए जाएंगे। इसी संकल्प के क्रम में निर्णय लिया गया कि यदि 30 सितंबर तक विकास कार्य प्रारंभ नहीं होता है तो आगामी अक्टूबर से क्षेत्रवासियों के जनसहयोग से विकास कार्य चरणबद्ध रूप से शुरू कराए जाएंगे। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान के सचिव डॉ. हरिओम मिश्र ने कहा कि सोहसा मोक्ष धाम क्षेत्र के लगभग 100 गांवों के लोगों की आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है। यहां लोग अपने स्वजनों को मोक्ष की कामना के साथ अंतिम विदाई देने पहुंचते हैं, किंतु आज भी मोक्ष धाम आवश्यक बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि यहां पहुंचने के लिए समुचित रास्ता, साफ–सफाई, घाट, अंत्येष्टि के दौरान वर्षा से बचाव के लिए शेड तथा आवश्यकता के अनुरूप बैठने की बेहतर व्यवस्था जैसी सुविधाओं की आवश्यकता है। बैठक में क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांव के गणमान्य लोग सहित अनिल त्रिपाठी, उमेश राव, नरेंद्र नाथ त्रिपाठी, विवेक राव, कृष्णमोहन, हेमंत मिश्र, राम नरेश मिश्र, शिव कुमार पांडेय, सुभाष कान्दू, जय प्रकाश वर्मा, अमरजीत, पंकज राव, सत्यजीत सिंह, अभिषांक शर्मा, मनोज पटेल, गोलू पटेल, चंदेश्वर विश्वकर्मा, देवानंद गौड़, सेवा लाल यादव, अरुण कुमार पेशकार, अजय कुमार, प्रामोद मिश्र, संतोष पटेल, आशुतोष मद्देशिया, चंदन मोदनवाल, टाइगर, रंजीत राय, रामदास शर्मा, मनोज यादव, सत्य प्रकाश राव, कमलेश पटेल, कमलेश गुप्ता, हरिओम शर्मा, घनश्याम प्रसाद, त्रिलोकी नाथ दुबे, रमेश गौड़, मोती गौड़, राहुल कुमार, आदित्य पांडेय, निशांत मिश्र, खुर्शीद आलम, शैलेष सिंह, हर गोविंद राव, सतवंत यादव, नयी दिशा उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र आदि शामिल रहे।

एडिशनल एसपी ने अवैध खनन, परिवहन रोकने के लिए बने बैरियरों का किया औचक निरीक्षण, रोकथाम के लिए दिया निर्देश

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद में अवैध खनन परिवहन की रोकथाम के लिए बने विभिन्न बैरियरों का 29ध्30 देर रात्रि में अपर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर सिद्धार्थ वर्मा द्वारा देर रात्रि में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों एवं खननध्राजस्व विभाग के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा द्वारा 29ध्30 अगस्त की देर रात्रि में अवैध खनन एवं इसके अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों के सीमाओं पर स्थापित महत्वपूर्ण बैरियरों– बहादुरपुर बैरियर, टड़वा बैरियर, चखनी बैरियर, दौनहा बैरियर का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान बैरियरों पर तैनात पुलिस कर्मियों, खनन विभाग एवं राजस्व विभाग के कर्मचारियों को मुस्तैदी से बैरियर से गुजरने वाले प्रत्येक बालू, गिट्टी व अन्य खनन सामग्री से लदे वाहनों की गहनता से जांच हेतु निर्देश दिया। उन्होंने बिना वैध दस्तावेज, ओवरलोडिंग या बिना परमिट के संचालित वाहनों पर तत्काल प्रभाव से वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। साथ ही पुलिस, खनन और राजस्व विभाग के कर्मचारी आपसी समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्यवाही करने की बात कहते हुए अवैध खनन और परिवहन में संलिप्त भू–माफियाओं व असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

अपने गांव में करें ई-खसरा पड़ताल, प्रति गाटा सर्वे 10 रुपए तथा इंटरनेट कनेक्टिविटी हेतु 350 रुपए प्रति सत्र मिलेगा पारिश्रमिक

कुशीनगर, (आरएनएस)। शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद में खरीफ फसलों की ई–खसरा पड़ताल का कार्य संचालित किया जा रहा है। इस कार्य में जनपद के इच्छुक एवं योग्य युवा भी सहभागिता कर सकते हैं।उक्त जानकारी उप कृषि निदेशक अतिंद्र सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में देते हुए बताया है कि ऐसे युवा, जिन्हें एंड्रॉयड मोबाइल फोन का सही तरीके से उपयोग करने की जानकारी हो तथा जनपद में उगाई जाने वाली विभिन्न खरीफ फसलों का पर्याप्त ज्ञान हो, अपने गांव एवं क्षेत्र में ई–खसरा पड़ताल का कार्य कर सकते हैं।

जनपद में आई भीषण बाढ से सम्बन्धित स्वास्थ्य विभाग की कार्ययोजना

– सीएमओ ने बाढ़ राहत शिविरों में जाकर निरीक्षण किया।

चित्रकूट। अत्यधिक वर्षा के कारण जनपद की मंदाकिनी नदी में पिछले कई वर्षों का रिकार्ड तोडते हुए भीषण बाढ के .ष्टिगत बाढ प्रभावित क्षेत्रो में ब्लॉक पहाडी में 06, ब्लॉक रामनगर मे 03 तथा ब्लॉक मऊ में 15 कुल 24 बाढ चौकियो की स्थापना मय स्टाफ आवश्यक औषधियो सहित कियाशील रखा जा रहा है।प्रत्येक बाढ चौकी में 01 चिकित्सक, 01 फार्मासिस्ट, 01 वार्डव्याय एंव 01 आशा कार्यकर्ती की डयूटी लगायी गयी है, प्रत्येक चौकी में जीवन रक्षण औषधियो सहित ओआरएस पैकेट, क्लोरीन की गोलियों तथा ब्लीचिंग पाउडर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है।जनपद स्तरीय ड्रगवेयर हाउस में रेबीस वैक्सीन के 4764, एन्टी स्नैक वीनम के 4119 वायल तथा ओ०आर०एस० के 219480 पैकेट तथा ब्लीचिंग पाउडर के 1250 किग्रा0 की उपलब्धता है, साथ ही जनपद की समस्त 108, 102 एम्बुलेंस को एलर्ट मोड पर रखा गया है। सयुक्त जिला चिकित्सालय चित्रकूट तथा जनपद के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में आपात कालीन स्थितियो से निपटने हेतु अलग से बेड रिजर्व किये गये है। जनपद की आर०आर०टी० (रैपिट रिस्पॉस टीमे) 24 घंटे एलर्ट मोड पर है। जनपद स्थित रैनबसेरा सीतापुर में ठहराये गये बाढ पीडितो हेतु अलग से मेडिकल टीम समस्त औषधियो सहित जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुए लगायी गयी है तथा जनपद की समस्त एएनएम एंव आशाओ को अपने–अपने क्षेत्र में आवश्यक औषधियो सहित उपस्थित रहने हेतु निर्देश दिये गये है। जनपद के प्रमुख बाढ स्थलो यथा रामधाट, कर्वी मंदाकिनी पुल, बरदहा नदी मानिकपुर, यमुनाघाट राजापुर एंव मऊ स्थिति क्षेत्र आदि के स्थलो पर मेडिकल टीम भेज कर दवा वितरण एंव एन्टीलार्वा आदि का छिडकाव कराया जा रहा है तथा अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनाँक 29.08. 2026 को ही पत्र जारी कर सभी चिकित्सा इकाईयो को 24 घंटे अपनी इकाईयो को खोले रखने एंव किसी भी प्रकार का अवकाश नही दिये जाने हेतु आदेश जारी किये गये है। जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बाढ़ राहत शिविरों में जाकर निरीक्षण किया। सीएमओ ने पहाड़ी स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। सीएमओ ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्र के रमयापुर गांव की गर्भवती रिंकी पत्नी राजू बाढ़ के कारण फंसी हुई थी। एंबुलेंस से सीएचसी पहाड़ी में सुरक्षित प्रसव कराया गया। उन्होंने मौके पर जाकर जाकर हाल–चाल जाना और नवजात शिशु की जांच की।

सहकार भारती के दो दिवसीय अभ्यास वर्ग के समापन पर किया गया सहकारिता से समृद्धि पर विचार-विमर्श

मीरजापुर। सहकार भारती, उत्तर प्रदेश की ओर से शांतिकुंज मैरिज लान बथुआ में आयोजित दोदिवसीय अभ्यास वर्ग का समापन रविवार को हुआ। वर्ग का शुभारंभ सहकार गीत के साथ हुआ। अभ्यास वर्ग में दूसरे दिन पंचम सत्र में डॉ अरुण कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष ने ष्सहकारिता का इतिहास और सहकार भारती की भूमिकाष पर विचार व्यक्त किया। षष्टम सत्र में शिवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा सहकार भारती का कार्य, गतिविधियां और कार्यालय व रखे जाने वाले अभिलेखों के संबंध में जानकारी दी गई। सप्तम सत्र में अशोक कुमार शुक्ला ने स्वावलंबी भारत अभियान पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में डॉ अरुण कुमार सिंह ने सभी सातों सत्रों में जिन विषयों पर विचार व्यक्त किए गये थे, उनका पुनः स्मरण कराते हुए कार्यकर्ताओं को अपने अपने जिले में जाने के बाद अभ्यास वर्ग में सभी विषयों के माध्यम से दी गई। सभी विषयों की जानकारियों का क्रियान्वयन करने पर भी जोर दिया। इसके पूर्व व्यवस्था में लगे सभी कार्यकर्ताओं का परिचय, सम्मान किया गया। सहकार भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश सह प्रमुख एफपीओ प्रकोष्ठ केशव नाथ तिवारी ने बताया कि प्रथम दिन उद्घाटन सत्र के बाद प्रथम सत्र में प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने ष्सहकार भारती का संगठनात्मक ढांचा, कार्य पद्धति एवं कार्यकर्ता निर्माणष विषय पर द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय सह–प्रमुख आई.टी. प्रकोष्ठ कृष्ण कुमार ओझा ने ष्प्रकोष्ठों की संगठनात्मक दक्षता से कार्यकर्ता निर्माण एवं आर्थिक उन्नयनष विषय पर और तृतीय सत्र में प्रदेश सह–संगठन प्रमुख विजय कुमार पाण्डेय ने ष्संस्थाओं का प्रबंध एवं निर्वाचनष विषय पर विस्तृत जानकारी दी। तत्पश्चात चतुर्थ सत्र में गटशरू बैठक हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अरुण कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष, कृष्ण कुमार ओझा राष्ट्रीय सह प्रमुख आईटी प्रकोष्ठ, अशोक कुमार शुक्ला प्रदेश संपर्क प्रमुख, शिवेंद्र प्रताप सिंह प्रदेश कोषाध्यक्ष, विजय कुमार पांडे प्रदेश सह संगठन प्रमुख, प्रतोष दुबे विंध्याचल विभाग प्रमुख, केशव नाथ तिवारी प्रदेश सह प्रमुख एफपीओ प्रकोष्ठ, पार्वती पांडे अध्यक्ष मिर्जापुर, डॉ मंजुलता, दीपा उमर, रामेश्वर राय अध्यक्ष सोनभद्र, राजेंद्र कुमार सिंह उर्फ मुन्नू सिंह, अवधेश पटेल, विजय कुमार मिश्रा के अलावा जिला मिर्जापुर, सोनभद्र और भदोई से अन्य सम्मानित पदाधिकारी रहे। संचालन प्रतोष दुबे विभाग प्रमुख विंध्याचल, रामेश्वर राय अध्यक्ष सोनभद्र द्वारा सम्मिलित रूप से किया गया। पार्वती पांडे अध्यक्ष मिर्जापुर ने सभी अतिथि गण और तीनों जिले से आये सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

देवरिया और मीरजापुर से क्या सीखा?

अपने कार्यकाल को याद करते हुए उन्होंने लिखा– देवरिया ने सिखाया कि सही के साथ खड़ा होना विकल्प नहीं, कर्तव्य है। मीरजापुर ने सिखाया कि श्असंभवश कोई तथ्य नहीं, बस एक राय है। मां विंध्यवासिनी के चरणों में बैठकर सीखा कि शक्ति किसी पद से नहीं, उनकी कृपा और लोगों के विश्वास से आती है। उन्होंने लिखा कि इस जीवन का असली सुकून उन आंखों में दिखा, जिस परिवार को पहली बार जमीन का हक मिला, जिस दिव्यांग को सम्मान से जीने का अवसर मिला और जिस किसान के खेत को पानी मिला। लहुरिया दह की बुजुर्ग मां का मार्मिक जिक्र पत्र का सबसे भावुक हिस्सा मीरजापुर के लहुरियादह गांव से जुड़ा है। उन्होंने लिखा ष्आज आभार से आंखें नम हैं। बस एक दृश्य इनमें बसा है। लहुरिया दह की पहाड़ी की वो वृद्ध मां, जो अपने गांव में पहली बार पानी पहुंचता देख कुछ नहीं बोली, बस कांपते हाथों से मेरा सिर छूकर आशीर्वाद दे गईं। पद तो आज छूट गया, पर वह स्पर्श जीवन भर नहीं छूटेगा।ष बता दें कि मीरजापुर में अपने लगभग 11 महीने के कार्यकाल के दौरान दिव्या मित्तल ने सदियों से पानी के लिए तरस रहे लहुरियादह गांव में पाइपलाइन से पानी पहुंचाने का ऐतिहासिक काम कराया था।मूल रूप से हरियाणा के रेवाड़ी की रहने वाली दिव्या मित्तल 2013 बैच की उत्तर प्रदेश कैडर की आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने पहले प्रयास में आईपीएस की परीक्षा पास कर गुजरात कैडर पाया था, फिर दूसरे प्रयास में 68वीं रैंक के साथ आईएएस बनीं। उनके पति गगनदीप सिंह भी उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी हैं।शुरुआती पद एसडीएम मवाना (मेरठ), सीडीओ गोंडा, उपाध्यक्ष बरेली विकास प्राधिकरण, संयुक्त प्रबंध निदेशक यूपीएस आईडीए और नीति आयोग में सहायक सचिव। जिलाधिकारी के रूप मेंरू डीएम संत कबीर नगर यहां से तबादला होकर मीरजापुर आईं। डीएम मीरजापुर सितंबर 2023 तक, तबादले पर जनता ने फूलों की बारिश कर विदाई दी थी। डीएम डीएम बस्ती, सीईओ यूपी ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (यूपीआरआरडीए) लखनऊ, डीएम श देवरिया जुलाई 2024 से मई 2026 तक रही। इस्तीफे के ठीक पहले वह डीएम नहीं थीं, मई 2026 में देवरिया डीएम पद से हटाए जाने के बाद उन्हें लखनऊ में विशेष सचिव, राजस्व विभाग उत्तर प्रदेश शासन के पद पर तैनात किया गया था। इससे पहले अक्टूबर 2025 में उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव और आवास विकास परिषद में अपर आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई थी। राजनीतिक अटकलें तेज हो गई है। 13 साल की सेवा के बाद अचानक इस्तीफे से राजनीतिक गलियारों में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

लगातार भारी बारिश के कारण कच्चे मकानों के गिरने का जारी है सिलसिला

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र में हो रही लगातार भारी बारिश के कारण कच्चे मकानों और दीवारों के गिरने की कई दुखद घटनाएं सामने आ रही हैं। मंगलवार को सुबह खैरा कला गांव के भौरहवां मोहल्ले में कच्चे मकान का दिवार गिरने से चपेट में आई सुनिल की 35 वर्षीया पत्नी अनुराधा पटेल की घटनास्थल पर मौत हो गई है। विवाहिता की मौत से घर में कोहराम मच गया। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे एसडीएम अजीत कुमार और थाना प्रभारी वेदप्रकाश पांडेय ने मौका मुआयना किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लालगंज थाना क्षेत्र के खैरा कला गांव के भौरहवां मोहल्ला निवासी सुनिल पटेल की पत्नी अनुराधा पटेल रविवार को अल सुबह अपने कच्चे घर में झाडू लगा रही थी। उसी समय कच्चे घर का मिट्टी का दिवार अनुराधा पटेल के उपर गिर गया। घर में अनुराधा का दस वर्षीय लड़का अकेलेध था। दिवार के नीचे दबी अपनी मां को निकालने के लिए आस पास के लोगों को बुलाया। लोग पहुंचे और मिट्टी हटाकर निकाला परिजन आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर पहुंचे। जहां जांच के बाद चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। पति सुनील रोजी रोटी के सिलसिले में बाहर रहता है। सुनिल दो भाई हैं दोनों अलग रहते है। सुनिल को एक दस वर्ष का पुत्र है जो मां के साथ घर पर ही रह कर पढ़ाई करता है।घटना की जानकारी मिलते ही उपजिलाधिकारी अजीत कुमार, तहसीलदार विशाल शर्मा और राजस्व विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। प्रशासनिक अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मिलकर घटना की विस्तृत जानकारी ली, उन्हें सांत्वना दी और हरसंभव सरकारी व आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। लालगंज प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश पाण्डेय ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विवाहिता की मौत से घर में कोहराम मचा रहा। क्षेत्र में लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण उपजिलाधिकारी ने स्थानीय ग्रामीणों को

चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब कर्वी के तत्वावधान में मेजर ध्यानचंद की मनाई जयंती

–भारतरत्न से सम्मानित करने की उठाई मांग

चित्रकूट। हॉकी के जादूगर एवं भारतीय खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर शनिवार को जिला मुख्यालय के बस स्टैंड कर्वी स्थित होटल श्याम दरबार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब कर्वी के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में क्लब के मुख्य संरक्षक एवं पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्रा, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, संरक्षक विवेक अग्रवाल, कॉपरेटिव बैंक चित्रकूट चेयरमैन पंकज अग्रवाल, सिंचाई विभाग के एसडीओ इंजी. गुरु प्रसाद, भाजपा नेता जगदीश प्रसाद गौतम, प्रिंस मोबाइल के संचालक विनोद केशरवानी, वरिष्ठ समाजसेवी रामबाबू गुप्ता, राम मनोहर वर्मा, मो. अख्तर, वीणा बांधवकर, विमला आर्य, अंजू अग्रवाल, सरोज जैन, अमिता अग्रवाल, शोभा गुप्ता आदि ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सांसद ने मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए कहा कि देश और खेल जगत के लिए उनका योगदान अप्रतिम रहा है। ऐसे में उन्हे भारतरत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी कमलेश ने किया। क्लब के संरक्षक ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के महेश प्रजापति, राजकरन, अशोक सेन, कमरुल इस्लाम, मनीष आदि सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

सीएमआईएस पोर्टल पर एक करोड़ से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की डीएम नें की सख्त समीक्षा

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली निर्माणाधीन एवं पूर्ण परियोजनाओं, क्रिटिकल गैप्स तथा पूर्वांचल निधि योजना के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की प्रगति का बिंदुवार मूल्यांकन करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी ढंग से कार्य पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली विकास परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विभाग सीएमआईएस पोर्टल पर परियोजनाओं की अद्यतन एवं सही जानकारी नियमित रूप से अपलोड करें, ताकि प्रगति की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। बैठक में एक–एक विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति, वित्तीय प्रगति, भौतिक प्रगति तथा अवशेष कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिन परियोजनाओं में कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल रहा है, वहां संबंधित अधिकारियों से विलंब के कारण पूछे और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। क्रिटिकल गैप्स के अंतर्गत लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने भूमि उपलब्धता, तकनीकी स्वीकृति, उपयोगिता स्थानांतरण तथा अन्य प्रशासनिक अड़चनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि परियोजनाओं की गति प्रभावित न हो। पूर्वांचल निधि योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यह योजना क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समय से पूरा कराया जाए और प्रत्येक परियोजना की नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि निरीक्षण के दौरान किसी परियोजना में मानकविहीन कार्य पाया गया तो संबंधित संस्था एवं उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उनका समय से उपयोगिता प्रमाणपत्र एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की जाएं, ताकि उनका लाभ आमजन को शीघ्र प्राप्त हो सके। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक परियोजना की नियमित फील्ड मॉनिटरिंग की जाए तथा निरीक्षण के दौरान प्राप्त कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की वास्तविक प्रगति धरातल पर दिखाई देनी चाहिए और जनता को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले में विकास परियोजनाओं को गति देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ करें, ताकि मीरजापुर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हो सके। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी निर्माणाधीन परियोजनाएं हैं उन परियोजनाओं को 10 सितम्बर 2026 तक पूर्ण कराएं, यदि पूर्ण नहीं हो सकता तो शासन में पत्राचार कर इसकी अवधि बढ़वाते हुए पोर्टल पर अपलोड कराएं।

महुगढ़ी जंगल में भटक रहे हाथी वन विभाग की टीम तलाश में जुटी

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान से भटककर ड्रमंडगंज वनरेंज के बबुरा रघुनाथ सिंह जंगल में शनिवार की रात एक नर हाथी एक मादा हथिनी के पहुंचने से जंगल के आसपास रहने वाले ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर देर रात ड्रमंडगंज वनरेंज के वन दरोगा कुमार कार्तिकेय वनरक्षक अनादि नाथ तिवारी तथा मध्यप्रदेश के हनुमना वन रेंज के रेंजर नयन कुमार तिवारी टीम के साथ मूर्तिहा जंगल पहुंचकर जीपीएस ट्रैकर मशीन से हाथियों की तलाश करते रहे। रविवार सुबह हाथियों का जोड़ा गंगहर जंगल से होते हुए महुगढ़ी पहाड़ के ऊपर घने जंगल में पहुंच गया। रविवार दोपहर वनरक्षक अनादि नाथ तिवारी, वनकर्मी सियाराम पाल, महेंद्र सिंह, शिव नरेश तिवारी वाचर नन्हकू बबलू जीपीएस ट्रैकर मशीन से हाथियों के गले में लगे कालर आईडी से दोनों की लोकेशन जंगल में ट्रेस करते रहे। शाम पांच बजे दोनों हाथियों का लोकेशन बरम बाबा मंदिर के सामने जंगल में मिला। वनरक्षक अनादि नाथ तिवारी ने बताया कि महुगढ़ी जंगल में हाथी और हथिनी के पदचिन्ह व जंगल में किए गए मल (लादी) को कई जगह देखा गया है। अभी हाथी के जोड़ा को देखा नही गया है। पदचिन्ह को देखते हुए तथा मध्य–प्रदेश के हनुमना वन रेंज से मिले जीपीएस ट्रैकर मशीन से दोनों हाथियों को ढूढ़ा जा रहा है। वनरक्षक ने बताया कि हथिनी गर्भवती है। वनरक्षक अनादि नाथ तिवारी ने बताया कि जंगल के आसपास गांवों में सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों को सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। डीएफओ राकेश कुमार प्रजापति ने बताया कि हाथियों का जोड़ा जंगलों में प्रवास करने के लिए मध्यप्रदेश के सीमावर्ती ड्रमंडगंज जंगल तक पहुंच गया है। हाथियों की सुरक्षा तथा आसपास गांवों में रहने वाले ग्रामीणों को सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। वन विभाग की टीम हाथियों की खोजबीन में जुटी हुई है।

मीरजापुर में बाढ़ को लेकर प्रशासन अलर्ट ’जिलाधिकारी ने किया अकोढ़ी और चौकठ का निरीक्षण

मीरजापुर। जनपद में संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने बाढ़ प्रभावित होने वाले संभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम अकोढ़ी एवं राजस्व ग्राम चौकठ का दौरा कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले दोनों गांवों के संपर्क मार्ग का जायजा लिया। उन्होंने देखा कि बाढ़ की स्थिति में संपर्क मार्ग पर जलभराव की क्या स्थिति हो सकती है। साथ ही उन्होंने गांवों के आसपास गंगा नदी के जलस्तर के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद स्थानीय ग्रामीणों से वार्ता कर जानकारी ली।लोगों ने बताया कि बाढ़ के समय संपर्क मार्ग टूटने से आवागमन में भारी परेशानी होती है।जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से पहले ही सभी एहतियाती कदम उठा लिए गए हैं। किसी भी ग्रामीण को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर को निर्देश करते हुए कहा कि संभावित बाढ़ को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली जाएं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ चौकियों को तत्काल सक्रिय किया जाए और उन पर कर्मचारियों की तैनाती की जाए। नावों की उपलब्धता, राहत सामग्री और चिकित्सा व्यवस्था पहले से दुरुस्त रखी जाए। उन्होंने कहा कि ऊंचे और सुरक्षित स्थानों को चिन्हित कर वहां अस्थायी शरणालय बनाने की तैयारी पूरी रखें। पशुओं के चारे और पीने के साफ पानी की भी पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने राजस्व और बाढ़ खंड के अधिकारियों को लगातार जलस्तर पर नजर रखने को कहा।

उन्होंने कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें, प्रशासन द्वारा दी जा रही जानकारी पर ही भरोसा करें।

निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर महेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार, संबंधित लेखपाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जय मां सरस्वती स्पोर्टिंग क्लब मठना द्वारा विशाल कबड्डी प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

’गांव से निकलती है प्रतिभा, गांव में भी खेल को बढ़ावा देने हेतु सरकार को आगे आना चाहिए रू शिवकुमार सिंह पटेलमीरजापुर। जय मां सरस्वती स्पोर्टिंग क्लब मठना जमालपुर विधानसभा चुनार में विशाल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉक्टर शिवकुमार पटेल रहें। इस प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी मिर्जापुर डॉ शिव कुमार सिंह पटेल ने कहा इस तरह के आयोजनों से गांव से प्रतिभावान खिलाड़ियों को मौका मिलता है।

राहत कार्य में जुटा प्रशासन, बाढ़ प्रभावित लोगों को पहुंचाई राहत सामग्री

चित्रकूट। लगातार हुई बारिश से मंदाकिनी नदी इस वर्ष 2003 की बाढ़ को पार कर गई। इससे जनपद के कई गांवों का संपर्क तो टूटा ही मुख्यालय से कई स्थानों का आवागमन भी ठप हो गया। बाढ़ के देर रात न सिमटने पर लोग भय के चलते रातभर जागते रहे। मंदाकिनी का जल स्तर उतरने के बाद मलबा हर जगह फैल गया। जिससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने सिल्ट को साफ कराने के लिए युद्ध स्तर पर कर्मचारियों को लगाया। बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलकर डीएम–एसपी ने हर संभव मदद पहुंचाया। इस वर्ष कई बार मंदाकिनी नदी उफान पर आई। 29 अगस्त को नदी का रौद्र रूप देखने को मिला। मंदाकिनी नदी से सटे क्षेत्र जलमग्न हो गए। बाढ़ में फंसे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए एसडीआरएफ टीम के अलावा हेलीकाप्टर से सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रविवार को डीएम पुलकित गर्ग व एसपी अरुण कुमार सिंह टीम के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित लोगों को शीघ्र राहत पहुंचाया जाए। मंदाकिनी के बाढ़ के चलते प्रशासन के अलावा जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित किया। सांसद कृष्णा देवी पटेल पूर्व मंत्री शिवशंकर पटेल के साथ चित्रकूट, तरौंहाा, राजापुर आदि क्षेत्रों में पहुंच पीड़ित परिवारों से भेंट किया और उन्हे राहत सामग्री दिया। सदर विधायक अनिल प्रधान सीतापुर, तरौंहा समेत कई क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित लोगाें को राहत सामग्री बांटी।

घर छोड़ ऊंचे स्थानों पर बनाया आशियाना

चित्रकूट। मंदाकिनी नदी के उफान से तरौंहा स्थित पुल के ऊपर से पानी गुजरने से गांव के कई इलाकों में पानी भर गया। जिससे लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरा आशियाना बनाना पड़ा। गांव के चारो ओर से बाढ़ का पानी भर रहा था। ऐसे में लोग दहशत में नजर आए। लोगों को ऊचे स्थानों पर आशियाना बनाना पड़ा। तरौंहा, गोबरिया मार्ग पर बने पुल के ऊपर पानी चलने से क्षतिग्रस्त हो गया। रविवार को ठेकेदार रामबाबू गुप्ता वहां पहुंचे और आनन फानन पुल के अगल बगल कटी मिट्टी व क्षतिग्रस्त भाग को ठीक कराने में जुट गए।

पूरी तरह नष्ट हो गई सब्जी की फसल

चित्रकूट। मंदाकिनी नदी का जल स्तर बढ़ने से तरौंहा गांव में सैकड़ों बीघे में होने वाली सब्जी पूरी तरह बरबाद हो गई। जिससे सब्जी पैदावार करने वाले लोगों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया। सब्जियों के दाम भी बढ़ने के आसार हो गए हैं।

बिजली-पानी का खड़ा हुआ संकट

चित्रकूट। मंदाकिनी नदी के उफान से मुख्यालय सेसटे तरैंहा, पुरानी बाजार, जिला अस्पताल के अलावा कई क्षेत्रों में बिजली–पानी का संकट खड़ा हो गया।

पुल के मरम्मत में जुटा सेतु निर्माण विभाग

चित्रकूट। मंदाकिनी का जल स्तर तीव्रता से बढ़ने पर कर्वी–बांदा मार्ग के पुल के ऊपर पानी आने से आवागमन ठप कर दिया। तेज बहाव के चलते पुल के अगल बगल के पोर्च पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। रविवार को प्रशासन ने भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया। सेतु निर्माण विभाग के अधिकारी, कर्मचारी सुबह से मरम्मत कार्य में जुट गए। छोटे वाहनों को वन वे रूट बनाकर आवागमन सुचारू कराया गया। जिससे लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में काफी देर हुई।

मप्र सीएम ने बाढ़ प्रभावित को बंधाया ढ़ाढ़स

चित्रकूट। मंदाकिनी नदी के रौद्र रूप के बाद रविवार को तबाही का मंजर देखने को मिला। पानी का बहाव तेज होने से मप्र क्षेत्र का एक पुल ढह गया। इसके अलावा उप्र क्षेत्र के कई रपटे, पुलिया क्षतिग्रस्त हो गए। लोगों के घर, टीन टप्पर बह गए। मप्र के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव बाढ़ पीड़ितों से मिलकर ढ़ाढ़स बंधाया। इस दौरान पीड़ितों का दर्द झलक उठा। कहा कि इतनी बाढ़ में प्रशासन ने भोजन–पानी की कोई व्यवस्था नहीं की। सूचना के बावजूद नहीं पहुंचे।

23 साल बाद आई आफत से दहशत में रहे लोग

चित्रकूट। वर्ष 2003 के बाद फिर मंदाकिनी का प्रलयंकारी रूप देखने को मिलाा। नदी अपने पीछे तबाही का मंजर छोड़ गई। 29 अगस्त को खतरे के निशान से आठ मीटर ऊपर बढ़ा जल स्तर 30 अगस्त को करीब दो बजे सामान्य स्थिति पर पहुंचा। तब जाकर नदी तलहटी में बसे लोगों ने राहत की सांस ली।

बरबाद हुए लोगों के घर-गृहस्थी व अनाज

चित्रकूट। बाढ़ का पानी लोगों के घरों में भरने से गृहस्थी की सामग्री, अनाज आदि बरबाद हो गए। जिसे पानी उतरने के बाद देखकर रोते विलखते रहे। नष्ट सामग्री को बाहर फेंका। मलबे को समेटने में भारी दिक्कते हुई।

रौद्र रूप लिए मंदाकिनी कई गांवों में तबाही मचाते हुए यमुना में मिली

चित्रकूट। सीतापुर, रामघाट, तरौंहा, गोबरियाा आदि क्षेत्रों में तबाही मचाने के बाद ग्रामीण क्षेत्र के बरेठी, चौरा, कलवारा, पनौटी, कहेटा आदि गांवों में तबाही मचाते हुए मंदाकिनी नदी यमुना में जाकर मिली। ऐसे में यमुना नदी किनारे बसे लोग सांसत में आ गए हैं।

बाढ़ पीड़ितों से मिले कांग्रेसी

चित्रकूट। कांग्रेस की पूर्व प्रत्याशी रंजना पांडेय ने मानिकपुर क्षेत्र में बरदहा नदी के प्रकोप के बाद बाढ़ प्रभावित क्षेत्र चमरौंहा, डोड़ा माफी, टिकरिया में लोगों से मिलकर हाल जाना और मदद का भरोसा दिया। इस मौके पर अवध बिहारी तिवारी, ललित पांडेय, अतुल राजपूत, दिलीप यादव, शैलेन्द्र मिश्रा आदि मौजूद रहे।

महिला एशिया कप पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने पर क्या बोले भारतीय टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार?

दुबई ,। महिला एशिया कप 2026 में रविवार का दिन क्रिकेट फैंस के लिए रोमांचक होने वाला है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय महिला टीम और थाइलैंड के बीच मुकाबला होने वाला है। हालांकि, टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का इंतजार है। दोनों देशों के बीच मुकाबला 5 सितंबर को होना है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से आपसी रिश्ते सहज नहीं हैं। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद क्रिकेट के मैदान पर भी दोनों देशों के बीच दूरियां साफ दिखी हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के कप्तान और टीम (पुरुष और महिला) एक दूसरे के साथ हाथ नहीं मिलाते। एशिया कप 2026 में क्या यह सिलसिला कायम रहेगा या टूटेगा। इसे लेकर फैंस के मन में सवाल है। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के दौरान क्या भारतीय टीम पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाएगी? इस सवाल का जवाब थाइलैंड के साथ होने वाले मैच से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय टीम के कोच अमोल मजूमदार ने दिया।उन्होंने

कहा, देखिए, हम मैदान पर सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और मैदान के बाहर की चीजों पर हम ध्यान नहीं देते। हम उस दिन सबसे अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं, और जब हम वह मैच खेलेंगे तो इस बारे में बात करेंगे। लेकिन अभी, थाइलैंड के खिलाफ मैच पर ध्यान दे रहे हैं।थाइलैंड ने टूर्नामेंट की शुरुआत जीत के साथ की है। अपने पहले मैच में थाइलैंड ने हांगकांग को 6 रन से हराया था। भारतीय टीम का टूर्नामेंट में यह पहला मैच है और निश्चित रूप से थाइलैंड के खिलाफ टीम सावधान रहेगी।थाइलैंड के खिलाफ मैच से जुड़े सवाल पर मजूमदार ने कहा, हमें टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत पर फोकस करना होगा। हम आक्रामक क्रिकेट खेलते हुए बेहतर परिणाम हासिल करने का प्रयास करेंगे।भारतीय टीम का हाल में टी20 फॉर्मेट में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। इस पर मजूमदार ने कहा, हम फॉर्म पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। आप पिछले छह महीनों में टी20 हमारे प्रदर्शन पर बात कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इस टीम में सुधार की बहुत गुंजाइश है। टीम में युवा खिलाड़ी हैं। हम अच्छा और आक्रामक क्रिकेट खेलने की कोशिश कर रहे हैं।

एक ओवर में चार छक्कों ने गेम बदला,सेंट्रल दिल्ली किंग्स को फाइनल में पहुंचाकर खुश कप्तान जोंटी सिद्धू

नई दिल्ली ,। सेंट्रल दिल्ली किंग्स शुक्रवार को पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ 72 रन से दमदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंची, जहां 30 अगस्त को उसका सामना साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से होगा। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए क्वालीफायर–2 में किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू ने 46 गेंदों में 10 छक्कों और 5 चौकों के साथ 106 रन की नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर टीम ने 20 ओवरों में 218ध्5 का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद पुरानी दिल्ली को 17.4 ओवरों में 146 रन पर समेट दिया। बतौर गेंदबाज जोंटी ने 3 ओवरों में 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस नॉकआउट मुकाबले में अपने मैच जिताऊ प्रदर्शन पर बात करते हुए सिद्धू ने बताया कि जब टीम दबाव में थी, तब ऐसा प्रदर्शन करना बहुत संतोषजनक था। जीत के बाद उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैंने अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में अहम योगदान दिया। इस चरण पर टीम को ऐसे ही प्रदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, इसलिए मुझे खुशी है कि यह सही समय पर हुआ।जब शुरुआती विकेट गिर गए और अनुमानित स्कोर कम लग रहा था, तब सिद्धू और उनके साथी आदित्य भंडारी (नाबाद 24) ने आखिरी ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दोनों के बीच 22 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी हुई।कप्तान ने बताया, भंडारी और मैंने बात की थी कि अगर हम क्रीज पर टिके रहे, तो हमें एक बड़ा ओवर मिल जाएगा, जिससे मैच का रुख बदल जाएगा। ठीक वैसा ही हुआय मैंने एक ओवर में चार छक्के मारे, भंडारी ने दो मारे, और अचानक हम 200 रन के करीब पहुंच गए। वे (पुरानी दिल्ली 6) मेरे खिलाफ वाइड यॉर्कर डालने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए मैंने अंदाजा लगा लिया कि गेंदें कहां गिरेंगी। मैंने उनकी रणनीति का सामना करने के लिए खुद पर भरोसा रखा और भगवान की कृपा से, मैंने गेंद को अच्छे से हिट किया।जोंटी सिद्धू ने मॉडर्न टी20 क्रिकेट के हिसाब से अपने गेम को ढालने के लिए जरूरी समर्पण के बारे में भी बात करते हुए कहा, हम बचपन से ही एकेडमी में रेड–बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस करते हैं, लेकिन टी20 के हिसाब से खुद को ढालने में मुझे एक–दो साल लग गए। मैंने पिछले 6–7 महीनों में अपने खेल के इस पहलू को बेहतर बनाने लिए बहुत मेहनत की है, क्योंकि आज के क्रिकेट में इसकी जरूरत है। जोंटी सिद्धू ने खास अंदाज में अपने पहले टी20 शतक का जश्न मनाया। उन्होंने इसके पीछे की दिलचस्प कहानी बताते हुए कहा, हमने होटल में योजना बनाई थी कि अगर हम जीतने की स्थिति में होंगे, तो मैं एक खास सेलिब्रेशन करूंगा। मैंने और मन्नी (मनी ग्रेवाल) ने मिलकर यह योजना बनाई थी, लेकिन जब मैंने शतक पूरा किया तो भंडारी मेरे साथ क्रीज पर थे, इसलिए मैंने उनके साथ सेलिब्रेशन किया। मैं आमतौर पर ज्यादा सेलिब्रेट नहीं करता, लेकिन इतने बड़े मैच में अपने पहले शतक के लिए ऐसा करना जरूरी था।

घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन, फिर भी भारत की टेस्ट टीम में मौके को तरस रहे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली । भारत में घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को सिलेक्शन का आधार माना जाता है। खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में खिलाड़ियों का सिलेक्शन उनके घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर भी करता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंटरनेशनल क्रिकेटर्स को भी खाली समय में घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेने की सलाह दे चुका है। इस कड़ी में ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के खिलाफ सख्त कदम भी उठाए जा चुके हैं। हालांकि, भारत के घरेलू क्रिकेट में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जो वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सिलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच पा रहे हैं। इन खिलाड़ियों के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि इन्हें कम से कम टेस्ट टीम में मौका और मैदान पर अपनी काबिलियत दिखाने के लिए टी20 फॉर्मेट से आने वाले खिलाड़ियों के ऊपर तरजीह जरूर मिलनी चाहिए। अभिमन्यु ईश्वरनरू फर्स्ट–क्लास क्रिकेट में खेले 114 मुकाबलों में 47 की औसत से 8,396 रन बना चुके अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय ड्रेसिंग रूम तक तो पहुंच चुके हैं, लेकिन पिछले तीन साल से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अनुभव और दमदार रिकॉर्ड होने के बावजूद अभिमन्यु ड्रेसिंग रूम में बैठकर मैदान पर भारत की जर्सी

पहनकर उतरने का सपना ही देखते रहे हैं। फर्स्ट–क्लास क्रिकेट में वह 27 शतक और 36 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। अभिमन्यु का फर्स्ट–क्लास क्रिकेट में डेब्यू 2013 में हुआ था और उनकी उम्र डेब्यू का इंतजार करते–करते 30 साल हो चुकी है।धर्मेंद्रसिंह जडेजा 100 फर्स्ट–क्लास मैचों में 423 विकेट। लिस्ट–ए क्रिकेट में 121 विकेट और टी20 में 65 विकेट। यह ध र्मेंद्रसिंह जडेजा के बेमिसाल आंकड़े हैं, जिन्होंने साल 2013 में फर्स्ट–क्लास डेब्यू किया था। हालांकि, वह पिछले 13 वर्षों से भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने की आस लगाए बैठे हैं।शाहबाज अहमदरू भारत के लिए 3 वनडे और दो टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके शाहबाज अहमद लंबे समय से टेस्ट टीम में मौका मिलने की राह देख रहे हैं। शाहबाज बल्ले के साथ–साथ गेंद से भी अहम योगदान दे सकते हैं। 43 फर्स्ट–क्लास मैचों में शाहबाज 146 विकेट निकाल चुके हैं, जबकि बल्लेबाजी में उन्होंने 2,493 रन बनाए हैं। दलीप ट्रॉफी 2026 में भी शाहबाज अपने प्रदर्शन से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचने में जुटे हुए हैं।सरफराज खानरू सरफराज खान भारतीय टीम के लिए टेस्ट डेब्यू कर चुके हैं। हालांकि, 2024 में डेब्यू करने के बाद पिछले दो वर्षों में उन्हें सिर्फ 6 टेस्ट मैच ही खेलने का मौका मिला है। जिन मुकाबलों में सरफराज को मौका भी मिला, तो लगभग हर पारी में उनका बल्लेबाजी क्रम ही बदलता रहा। फर्स्ट–क्लास क्रिकेट में 64 की औसत से रन बनाने वाले सरफराज ने अपनी फिटनेस पर काम करते हुए वजन भी घटाया है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें काबिलियत के अनुसार मौके नहीं मिल सके हैं। शम्स मुलानीरू घरेलू क्रिकेट में शम्स मुलानी को मुंबई का स्टार ऑलराउंडर माना जाता है। बल्ले और गेंद दोनों से ही वह किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखते हैं। 59 फर्स्ट–क्लास मैचों में मुलानी ने 269 विकेट चटकाए हैं, जबकि बल्लेबाजी में वह 2,577 रन बना चुके हैं। मुलानी एक शतक और 22 अर्ध शतक भी लगा चुके हैं। रणजी ट्रॉफी 2025–26 में उन्होंने 7 मुकाबलों में 30 विकेट चटकाए थे। घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन के बावजूद वह सिलेक्टर्स की निगाहों में अब तक नहीं आ सके हैं।

दलीप ट्रॉफी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सेमीफाइनल मुकाबले से बाहर हो सकते हैं यश धुल

नई दिल्ली । नॉर्थ जोन के टॉप–ऑर्डर बल्लेबाज यश धुल हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण साउथ जोन के खिलाफ होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइल मुकाबले को मिस कर सकते हैं। यह मुकाबला रविवार से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) मैदान पर खेला जाना है। यश धुल की जगह पर सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान को मौका मिल सकता है, जो कमरान इकबाल के साथ पारी का आगाज करते हुए दिखाई दे सकते हैं। माना जा रहा है कि भारत की अंडर–19 टीम के पूर्व कप्तान उदय सहारन को धुल की जगह टीम में बुलाया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने शनिवार को श्आईएएनएसश को बताया, हालांकि वह आज ट्रेनिंग कर रहे थे, लेकिन ग्रेड–2 हैमस्ट्रिंग चोट की आशंका के कारण यश धुल सेमीफाइनल मैच से बाहर हो सकते हैं। माना जा रहा है कि उनकी जगह उदय सहारन टीम में आ सकते हैं। इसका मतलब है कि रविवार से शुरू होने वाले मैच में सनत सांगवान के खेलने की संभावना अधिक है।धुल की हैमस्ट्रिंग चोट वेस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद चयन फैसले के ठीक बाद आई है। उस मैच में नॉर्थ जोन के कोच अजय शर्मा और सरनदीप सिंह ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सांगवान को हटाकर धुल को मौका दिया था, जिन्होंने 2022 पुरुष अंडर 19 वर्ल्ड कप में भारत को जीत दिलाई थी।धुल को मौका देने पर कई तरह के सवाल खड़े किए गए थे। वह 2025–26 के रणजी सीजन में सिर्फ 381 रन ही बना सके थे। उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा गया था, जबकि वह उस भूमिका के स्पेशलिस्ट नहीं हैं। वेस्ट जोन के तेज गेंदबाजों के खिलाफ धुल संघर्ष करते हुए भी दिखाई दिए थे और वह पहली पारी में 9 और दूसरी में बिना खाता खोले आउट हुए थे। इस कारण टीम के फैसले की खूब आलोचना हुई थी।नॉर्थ जोन अब पूरे आत्मविश्वास के साथ सेमीफाइनल में उतरेगा। टीम को

भारत के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के जुड़ने से और मजबूती मिली है। नॉर्थ जोन ने स्टार खिलाड़ियों से सजी वेस्ट जोन टीम को 52 रन से हराया था, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है।सूत्र ने आगे कहा, साहिल लोटरा को भी टीम से रिलीज कर दिया गया है, जबकि आयुष बदोनी बुखार से ठीक होने के बाद खेलने के लिए तैयार हैं। वहीं, पिछले साल की उपविजेता टीम साउथ जोन की कप्तानी भारत के टी20 उप–कप्तान तिलक वर्मा करेंगे। टीम में रिकी भुई, शेख रशीद, नारायण जगदीसन और करुण नायर जैसे अन्य बल्लेबाज भी शामिल होंगे।

15 की उम्र में तोड़ा 57 साल पुराना दिलीप ट्रॉफी रिकार्ड, जड़े 92 रन

दलीप ट्रॉफी सेमी–फाइनल में वैभव सूर्यवंशी ने सेंट्रल जोन के खिलाफ शानदार 92 रन बनाकर इतिहास रच दिया। इस 15 वर्षीय युवा प्रतिभा ने 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए टूर्नामेंट में हाफ–सेंचुरी लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए, जिससे ईस्ट जोन को बेहतरीन शुरुआत मिली और भारतीय क्रिकेट में उनकी अपार क्षमता उजागर हुई।दलीप ट्रॉफी के चल रहे सेमी–फाइनल में सेंट्रल जोन और ईस्ट जोन के बीच हुए मैच की पहली पारी में वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों टीमें 30 अगस्त से बेंगलुरु के ठब्ब् (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1 पर आमने–सामने थीं। मैच में सेंट्रल जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कुल 266 रन बनाए। जब ईस्ट जोन की टीम बल्लेबाजी करने उतरी, तो वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन सबसे खास रहा। अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पारी

की शुरुआत करते हुए, सूर्यवंशी ने मैदान के चारों ओर जबरदस्त शॉट लगाए। अपनी हाफ–सेंचुरी पूरी करने के साथ ही, इस 15 साल के खिलाड़ी ने 57 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दिलचस्प बात यह है कि 15 साल और 157 दिन की उम्र में, सूर्यवंशी दुललीप ट्रॉफी के इतिहास में हाफ–सेंचुरी लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने लक्ष्मण सिंह का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1969 में 16 साल और 23 दिन की उम्र में हाफ–सेंचुरी बनाई थी। बल्लेबाजी में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, सूर्यवंशी ने 81 गेंदों में 92 रन बनाए, जिससे ईस्ट जोन को मैच की पहली पारी में बेहतरीन शुरुआत मिली।यह ध्यान देने वाली बात है कि ईस्ट जोन के पिछले मैच में युवा खिलाड़ी के अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के बाद कई लोगों ने सूर्यवंशी पर सवाल उठाए थे। पिछले मैच में टीम का मुकाबला नॉर्थ ईस्ट जोन से हुआ था, जिसमें सूर्यवंशी ने पारी की शुरुआत की और आठ रन पर आउट हो गए। हालांकि, उन्होंने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उस कमी को पूरा किया और मैच में दो विकेट लिए। ईस्ट जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को एक पारी और 210 रनों से हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके अलावा, सेंट्रल जोन के खिलाफ शानदार 92 रनों की पारी खेलने के बाद, यह

युवा खिलाड़ी दूसरी पारी में भी अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या 15 साल का यह खिलाड़ी अपनी फॉर्म को और बेहतर बना पाता है, दूसरी पारी में भी अच्छा खेल दिखाता है और ईस्ट जोन को टूर्नामेंट के फाइनल तक ले जाकर खिताब भी जीत पाता है।

भारतीय टीम प्रबंधन आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए रणनीतिक बदलाव

भारतीय टीम प्रबंधन आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए रणनीतिक बदलाव करते हुए तिलक वर्मा को श्रेयस अय्यर के विकल्प और एक उपयोगी ऑफ–स्पिनर के रूप में तैयार कर रहा है। कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल का यह विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण शीर्ष क्रम में गेंदबाजी विकल्पों को बढ़ाने और मध्यक्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाज का संतुलन सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ता अभी से मध्यक्रम के विकल्प तैयार करने में जुट गए हैं। इसी योजना के तहत तिलक वर्मा का नाम श्रेयस अय्यर के संभावित विकल्प के तौर पर सामने आया है। टीम प्रबंधन तिलक को शीर्ष छह में एक उपयोगी विकल्प मान रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और मौजूदा क्रम में दाएं हाथ के बल्लेबाजों की अधि ाकता को संतुलित कर सकते हैं।मौजूद जानकारी के अनुसार, तिलक वर्मा को अपनी गेंदबाजी पर भी विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया है। उनके ऑफ स्पिन को टीम प्रबंधन संभावनाओं से भरा मानता है। भारतीय टीम में शीर्ष क्रम से पर्याप्त गेंदबाजी विकल्प नहीं होने की समस्या भी

महसूस की जा रही है। इसी वजह से कई बार निचले क्रम के बल्लेबाजों और मुख्य गेंदबाजों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ जाता है।

भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि मध्यक्रम में अभी ऐसा मजबूत विकल्प तैयार नहीं है जो मुख्य खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में जिम्मेदारी संभाल सके। हार्दिक पांड्या और नितीश कुमार रेड्डी की फिटनेस को लेकर लगातार सवाल बने रहते हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन चाहता है कि शीर्ष क्रम में ऐसा खिलाड़ी मौजूद हो जो एकदिवसीय मुकाबले में जरूरत पड़ने पर चार ओवर भी कर सके।

पिछले करीब एक साल में टीम को संतुलन बनाने के लिए वॉशिंगटन सुंदर या अक्षर पटेल को पांचवें या छठे क्रम पर उतारना पड़ा है। इंग्लैंड के पिछले दौरे में तो उपकप्तान श्रेयस अय्यर से पहले ईशान किशन को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था। चयनकर्ताओं और टीम प्रबंध ान को इस तरह खिलाड़ियों को उनके नियमित स्थान से अलग भूमिका देने का विकल्प बहुत पसंद नहीं है।

गौरतलब है कि पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रायपुर में रुतुराज गायकवाड़ को चौथे क्रम पर उतारा गया था और उन्होंने शतक भी लगाया था। हालांकि, इसके बाद उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिली। टीम प्रबंधन का मानना है कि गायकवाड़ को मुख्य रूप से शुभमन गिल की अनुपस्थिति में सलामी बल्लेबाज के विकल्प के तौर पर चुना गया था। यही वजह है कि देवदत्त पडिक्कल को भी जल्दबाजी में एकदिवसीय ढांचे में शामिल करने से चयनकर्ता बचना चाहते हैं, क्योंकि सफेद गेंद के क्रिकेट में उन्हें सलामी बल्लेबाजी में अधिक सफलता मिली है।हालांकि, 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में स्थिति अलग होगी। श्रेयस अय्यर, तिलक वर्मा, ईशान किशन और अक्षर पटेल उपलब्ध नहीं रहेंगे। इसी कारण चयनकर्ताओं का ध्यान इस श्रृंखला के लिए एक और विकेटकीपर विकल्प तलाशने पर अधिक है।विश्व कप की वास्तविक तैयारी अक्टूबर में न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद शुरू होने की उम्मीद है। इससे पहले अधिकांश प्रमुख खिलाड़ी वेस्टइंडीज श्रृंखला से बाहर रहेंगे, जबकि उसी समय पूरी ताकत वाली टी20 टीम एशियाई खेलों के लिए जापान जाएगी।

सेमीकान 2.0 योजना अधिसूचित, चिप विनिर्माण और डिजाइन को मिलेगा 1.27 लाख करोड़ का बढ़ावा

केंद्र सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर परिवेश को मजबूत करने के लिए 1,27,500 करोड़ रुपये की सेमीकॉन 2.0 योजना की अधि ासूचना जारी कर दी है। इस योजना का मकसद सिर्फ चिप निर्माण ही नहीं बल्कि स्वदेशी डिजाइन, उपकरण, सामग्री, पैकेजिंग और अनुसंधान को व्यापक स्तर पर विकसित करना है। इसके तहत सिलिकॉन फैब लगाने के लिए 40 प्रतिशत और डिस्प्ले इकाइयों के लिए 35 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। सरकार ने सेमीकॉन 2.0 योजना को सोमवार को अधिसूचित किया। इसके साथ ही 1,27,500 करोड़ रुपये की इस योजना के क्रियान्वयन का रास्ता साफ हो गया है। योजना का उद्देश्य चिप विनिर्माण से आगे बढ़कर स्वदेशी डिजाइन तथा बौद्धिक संपदा (आईपी), उपकरण, सामग्री, उन्नत पैकेजिंग, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) और प्रतिभा विकास सहित समग्र सेमीकंडक्टर परिवेश तैयार करना है।यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दुनियाभर में सेमीकंडक्टर एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संसाधन बन गए हैं। कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से उन्नत चिप व मेमोरी की मांग अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई है। वहीं, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को लेकर बढ़ती चिंताओं और बदलती भू–राजनीतिक परिस्थितियों ने वैश्विक कंपनियों को सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षमता बढ़ाने तथा कुछ सीमित उत्पादन केंद्रों पर निर्भरता कम करने के लिए प्रेरित किया है।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 जुलाई, 2026 को सेमीकॉन 2.0 योजना को मंजूरी दी थी। सोमवार को जारी अधिसूचना में नई योजना का खाका स्पष्ट किया गया है। इसमें 1,27,500 करोड़ रुपये के परिव्यय को लागू करने के तरीके, प्रोत्साहनों की संरचना और विभिन्न श्रेणियों के लिए पात्रता मानदंड का ब्योरा दिया गया है।आईटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा, ''अब सेमीकॉन 2.0 के जरिये सेमीकंडक्टर परिवेश के विकास के अगले चरण में जाने का समय आ गया है। योजना का उद्देश्य आत्मनिर्भरता हासिल करना और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग को बढ़ावा देना है।'' वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए चिप डिजाइन के मामले में स्टार्टअप और भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों (ओसीआई) के स्वामित्व वाली कंपनियां पात्र होंगी। स्टार्टअप के लिए वित्तीय सहायता अनुदान और शेयर सह–निवेश के रूप में होगी।कंपनियों को रॉयल्टी वित्तपोषण या शेयर सह–निवेश के रूप में सहायता दी जाएगी। अधिक सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयां (फैब) स्थापित करने के मामले में नई योजना 'सिलिकॉन फैब' के लिए 40 प्रतिशत और कंपाउंड, डिस्प्ले (एलसीडी, ओएलईडी, माइक्रो एलईडी) तथा अन्य विशेष विनिर्माण इकाइयों के लिए 35 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

दृश्यम द कन्क्लूजन से स्टार कास्ट के फर्स्ट लुक आउट, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत को मिले बड़े रोल

अजय देवगन की मोस्ट अवेटेड फिल्म दृश्यमरू द कन्क्लूजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है. फिल्म अक्टूबर में रिलीज होगी. इससे पहले फिल्म को लेकर दर्शकों की बेचौनी बढ़ती ही जा रही है. हाल ही में दृश्यमरू द कन्क्लूजन का एलान हुआ और फिल्म के किरदारों के आधे चेहरों के साथ उनके नाम भी सामने आए. अब मेकर्स एक–एक कर फिल्म की मुख्य स्टारकास्ट के फर्स्ट लुक जारी कर रहे हैं. साथ ही उनके फर्स्ट लुक के साथ कुछ लाइनें भी छोड़ रहे हैं, जो फिल्म के लिए एक्साइटमेंट बढ़ाने का काम कर रहे हैं.

फिल्म का मुख्य किरदार विजय सलगांवकर है. इस रोल को अजय देगवन बखूब निभा रहे हैं. अब फिल्म की तीसरी आखिरी किस्त में उनका काम किस ऊंचाईयों तक पहुंचता है, यह देखना बाकी है. मेकर्स ने अजय का फर्स्ट लुक जारी कर लिखा है, सही या गलत...जो भी हो, मैं अपनी फैमिली के लिए किसी भी हद तक जा सकता हूं.पिछले दोनों पार्ट में तब्बू ने रोल से दर्शकों को बहुत इंप्रेस किया है. उनके किरदार का नाम मीरा देशमुख है, जो एक बड़ी पुलिस अधिकारी हैं. फिल्म की तीसरी किस्त से आए उनके फर्स्ट लुक में वह काफी सीरियस लुक में दिख रही हैं. तब्बू का फर्स्ट लुक जारी कर मेकर्स लिखते हैं, इस चौथी फैल को पूरे सिस्टम ने अंडरएस्टिमेट किया था. अब इंसाफ नहीं, मां का बदला होगा. फिल्म की मुख्य हीरोइन और विजय सलगांवकर की पत्नी के रोल में श्रेया सरन ने भी कुछ कम कमाल नहीं किया है. श्रेया ने फिल्म में अपने रोल नंदिनी सलगांवकर के साथ पूरा न्याय किया है. फिल्म से आए उनके फर्स्ट लुक में वह काफी सहमी हुईं दिख रही हैं. श्रेया का फर्स्ट लुक जारी कर मेकर्स लिखते हैं, इतने सालों से नॉर्मल क्या होता है हम भूल ही गए हैं. खतरा अभी भी टला नहीं.

रजत कपूर एक बार फिर फिल्म में महेश देशमुख के रोल नजर आएंगे. वह मीरा देशमुख (तब्बू) के पति हैं. फिल्म में उनका रोल बहुत पेचीदा है. उनका किरदार सच के रास्ते पर चलने वाला है, भले ही इसमें अपनों का ही नुकसान क्यों ना हो. इसलिए उनके फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा जाता है, वक्त सच का दृश्य दिखा ही देता है.

दृश्यमरू द कन्क्लूजन का मजा अब और भी ज्यादा बढ़ने वाला है, क्योंकि इसमें जयदीप अहलावत जैसे बेहतरीन एक्टर की एंट्री हो चुकी है. फिल्म में उनका रोल एसपी क्राइम ब्रांच रणवीर सिंह तोमर का होगा. यानी मीरा और महेश देशमुख के बेटे की मौत की पूरी तहकीकात अब जयदीप के हाथों में होगी. जयदीप फिल्म का नया चेहरा है, लेकिन यकीनन वह अपने रोल को आसानी से भूलने नहीं देंगे. मेकर्स ने फिल्म से उनका फर्स्ट लुक जारी कर लिखा है, अब यह केस एसरी राजवीर सिंह तोमर की टेबल पर है और इसे खोलूंगा भी मैं और बंद भी मैं करूंगा. विजय सलगांवकर के अरेस्ट के बाद.अपनी जबरदस्त और दमदार एक्टिंग के लिए मशहूर एक्टर प्रकाश राज की एंट्री बताती है कि फिल्म की आखिरी किस्त बड़ा मोड़ लेने वाली है. फिल्म में प्रकाश राज वकील इंद्रजीत शेट्टी के रोल में दिखेंगे. वह अपने फर्स्ट लुक में कोट–पहने पहने पूरे रौब में दिख रहे हैं. प्रकाश राज के लिए मेकर्स कैप्शन में लिखते हैं, इंद्रजीत शेट्टी सिर्फ कानून नहीं जानता, उसे इस्तेमाल करना भी जानता है. पूरी सलगांवकर फैमिली को जेल भेज के रहूंगा.

अभिषेक पाठक ने दृश्यम द कन्क्लूजन का निर्देशन किया है. यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म आगामी 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर रिलीज होगी. 2 अक्टूबर महज एक तारीख नहीं बल्कि फिल्म से जुड़ा सबसे बड़ा दिलचस्प झूठ भी है. बता दें, अजय देवगन की दृश्यम साउथ सुपरस्टार मोहनलाल स्टारर फिल्म दृश्यम का हिंदी रीमेक है. मोहनलाल फिल्म के तीन पार्ट पूरे कर चुके हैं और हिंदी में अब तीसरे पार्ट का रिलीज होना बाकी है. दृश्यम फ्रेंचाईजी के दर्शकों को अब 2 अक्टूबर 2026 का इंतजार लंबा महसूस हो रहा होगा.

67वें बर्थडे पर नागार्जुन की 100वीं फिल्म किंग 100 की पहली झलक आउट, शाहरुख खान की मूवी से करेगी क्लैश

नागार्जुन की 100वीं फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फाइनली एक्टर के 67वें जन्मदिन पर, मेकर्स ने फैंस को तोहफा देते हुए इस प्रोजेक्ट का टाइटल और पहली झलक दोनों ही ऑफिशियली जारी कर दीं हैं. खास बात ये है कि नागार्जुन की ये फिल्म बड़े पर्दे पर शाहरुख खान की अपकमिंग मूवी से क्लैश करेगी. जानते है ये फिल्म कब सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

नागार्जुन की 100वीं फिल्म को लेकर फैंन्स में काफी एक्साइटमेंट हैं. वहीं एक्टर के 67वें जन्मदिन के मौके पर, मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक वाला वीडियो जारी किया और साथ ही इसका टाइटल ौर रिलीज डेट भी बता दी.1 मिनट 20 सेकंड के वीडियो की शुरुआत नागार्जुन की दमदार आवाज से होती है, जिसमें वे बताते हैं कि कैसे समाज लोगों को उनकी दौलत के आधार पर परखता है. वे कहते हैं कि जब उनके पास कुछ नहीं था, तो उन्हें लूजर कहा जाता था, लेकिन अमीर बनने के बाद उन्हें द किंग कहा जाने लगा. नागार्जुन की 100वीं फिल्म टाइटल किंग 100 रखा गया है. टाइटल की झलक में नागार्जुन एक स्टाइलिश अवतार और दमदार शाही अंदाज में नजर आ रहे हैं. फिल्म में शानदार प्रोडक्शन वैल्यू का भी वादा किया गया है. गौरतलब है कि इस फिल्म के साथ रा कार्तिक तेलुगु फिल्मों में बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू कर रहे हैं. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, किंग के लिए रास्ता बनाइए, वह अपने स्टाइल, स्वैग और करिश्मे के साथ राज करने आ गए हैं.

बता दें कि नागार्जुन की 100वीं फिल्म किंग 100 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. वहीं इसका बड़े पर्दे पर शाहरुख खान की मच अवेटेड फिल्म किंग से क्लैश होगा. इन फिल्मों का मुकाबला देखने के लिए फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट है.

तेलुगु फिल्म किंग 100 में 28 साल बाद नागार्जुन और तब्बू की जोड़ी फिर से पर्दे पर साथ नजर आएगी. दोनों ने पहली बार 1996 की तेलुगु फिल्म निन्ने पेल्लादथा में साथ काम किया था. इसके बाद उन्होंने आविदा मा आविडे में नजर आए थे, जिसमें

(1998) और सिसिन्द्री (1999) में भी साथ काम किया था.नागार्जुन के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर आखिरी बार लोकेश कनगराज की तमिल फिल्म कुली रजनीकांत, श्रुति हासन और सौबिन शाहिर मुख्य भूमिकाओं में थे. यह फिल्म थिएटर में 14 अगस्त, 2025 को वॉ 2 के साथ रिलीज हुई थी. ।

लोकेश कनगराज की डीसी 4 सितंबर से ओटीटी पर आ सकती है, अमेजन प्राइम वीडियो और सन एनएक्सटी पर संभावित प्रसारण

मुंबई। निर्देशक अरुण मथेश्वरन के निर्देशन में बनी अभिनेता लोकेश कनगराज की फिल्म श्डीसीश् ने वर्ष 2026 में सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। फिल्म में लोकेश कनगराज ने श्देवदासश् की मुख्य भूमिका निभाई है। उनके साथ वामिका गब्बी और संजना कृष्णमूर्ति भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फिल्म की कहानी शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की चर्चित कृति श्देवदासश् से प्रेरित है। हालांकि, फिल्म में पारंपरिक प्रेम कहानी को अपराध, बदला, हिंसा और संघर्ष से जोड़ते हुए एक अलग अंदाज में पेश किया गया है। कहानी में देवदास का किरदार प्रेम और धोखे के बीच एक अपराधी की दुनिया में फंसता नजर आता है।

श्डीसीश् को 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। फिल्म को इसकी अलग कहानी, दमदार एक्शन दृश्यों और अनिरुद्ध रविचंदर के संगीत के लिए दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। फिल्म में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की कालजयी कहानी को आधुनिक अपराध की दुनिया की पृष्ठभूमि में प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म में देवदास का किरदार प्रेम, विश्वासघात और खतरे के बीच संघर्ष करता है। यही वजह है कि कहानी को पारंपरिक श्देवदासश् से अलग और आधुनिक रूपांतरण के तौर पर देखा जा रहा है। सिनेमाघरों में सफल प्रदर्शन के बाद अब फिल्म के डिजिटल प्रसारण को लेकर चर्चा तेज हो गई है। खबरों के मुताबिक, श्डीसीश् 4 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो और सन एनएक्सटी पर प्रसारित हो सकती है। फिल्म के तमिल और तेलुगु संस्करण भी ओटीटी पर उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद जताई जा रही है।हालांकि, 4 सितंबर की तारीख की आधिकारिक पुष्टि अभी फिल्म के निर्माताओं या संबंधित डिजिटल मंचों की ओर से नहीं की गई है। इसलिए दर्शकों को फिलहाल इसे संभावित ओटीटी रिलीज तारीख के तौर पर ही देखना चाहिए।श्डीसीश् लोकेश कनगराज के करियर के लिहाज से भी महत्वपूर्ण फिल्म है। अब तक एक्शन फिल्मों के निर्देशन के लिए पहचाने जाने वाले लोकेश इस

फिल्म में मुख्य अभिनेता के रूप में नजर आए हैं।

फिल्म की व्यावसायिक सफलता ने उनके इस बदलाव को मजबूती दी है। वहीं, निर्देशक अरुण मथेश्वरन ने भी अपनी विशिष्ट और तीव्र कहानी कहने की शैली को फिल्म के माध्यम से आगे बढ़ाया है।

टाक्सिक ने कन्नड़ में बनाया बड़ा रिकॉर्ड, बनी 5वीं आल टाइम हाईएस्ट ग्रासिंग फिल्म, तीन दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 221 करोड़

कन्नड़ एक्टर यश इन दिनों फिल्म टॉक्सिक की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म को सिनेमाघरों में 26 अगस्त को रिलीज किया गया था और इसने पहले दिन फिल्म को लेकर इतना बज था कि फिल्म ने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई के साथ ओपनिंग की थी. हालांकि, फिल्म को नेगेटिव रिव्यू मिले, जिसकी वजह से इसकी कमाई में हर दिन गिरावट दर्ज की गई. लेकिन बावजूद इसके फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कन्नड़ सिनेमा में बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है.

पीरियड एक्शन थ्रिलर फिल्म टॉक्सिक की कमाई में भले ही हर दिन गिरावट दर्ज की जा रही है लेकिन इसके बावजूद भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक रिकॉर्ड्स बना रही है. फिल्म हिंदी में शानदार कमाई कर रही है और यही वजह है कि ये हिंदी की आठवीं हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन चुकी है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन 101.10 करोड़ का बिजनेस किया था. वहीं, दूसरे दिन 37.65 करोड़ तो तीसरे दिन रक्षाबंधन के मौके पर 27.20 करोड़ का कलेक्शन किया था. इसके बाद फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 165.95 करोड़ पहुंच गया.इसके साथ ही फिल्म ने ओवरसीज में 23.25 करोड़ और वर्ल्डवाइड 221.35 करोड़ का बिजनेस महज तीन दिनों में ही कर लिया है.इतना ही नहीं, टॉक्सिक की कमाई में भले ही रक्षाबंधन के मौके पर 27.8त्न की गिरावट आई है लेकिन फिर भी फिल्म ने कन्नड़ सिनेमा में बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है. ये कन्नड़ की पांचवी ऑल टाइम हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म भी बन चुकी है. इसने किच्चा सुदीप की फिल्म विक्रांत रोणा का रिकॉर्ड तोड़ दिया है.इतना ही नहीं, टॉक्सिक

ने बॉक्स ऑफिस पर हिंदी में भी रिकॉर्ड बना दिया है. फिल्म महज तीन दिनों में ही हिंदी की आठवीं हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन चुकी है. इसने हिंदी में ओ रोमियो को पीछे छोड़ दिया है.

बहरहाल, यश की फिल्म टॉक्सिक को दर्शकों ने नेगेटिव रिस्पांस मिले हैं. ये लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाई. हालांकि, कुछ सेलेब्स ने इसकी तारीफ की है. किच्चा सुदीप ने कहा, ऐसी फिल्में बनाना बहुत मुश्किल होता है. उन्होंने यश की एक्टिंग भी तारीफ की. इसमें कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, नयनतारा और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार भी अहम रोल में हैं. फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है. उन्हें इंटीमेट सीन्स के लिए काफी ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा है.

टाक्सिक के आगे इरुमुडी का जलवा, 8वें दिन बनी टालीवुड की चौथी सबसे बड़ी फिल्म

रवि तेजा की इरुमुडी ने बॉक्स ऑफिस पर अपना पहला हफ्ता पूरा कर लिया है और यश की टॉक्सिक के आने के बावजूद यह फिल्म रेस में बनी हुई है. रिलीज के 8वें दिन तो रक्षाबंधन की छुट्टी का इसे पूरा फायदा हुआ और इसके कलेक्शन में तेजी देखी गई. चलिए जानते हैं कि इस एक्शन ड्रामा का रिलीज के 8वें दिन का कलेक्शन कितना रहा है?रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी ने बॉक्स ऑफिस पर धांसू परफॉर्म किया है. 21 अगस्त को सिनेमाघरों रिलीज हुई इस एक्शन–ड्रामा फिल्म को लोगों से से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला और दर्शकों के लगातार सपोर्ट का इसे फायदा मिला है. हालांकि, यश की टॉक्सिक और वन्स मोर व हाय जैसी दूसरी साउथ इंडियन फिल्मों के आने से कुछ जगहों पर इसकी स्क्रीन की संख्या पर असर पड़ा है. बावजूद इसके इरुमुडी ने पहले ही हफ्ते में 92.15 करोड़ की कमाई कर डाली. वहीं दूसरे हफ्ते में एंट्री करते ही इसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इरुमुडी ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे को 9.70 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ इस फिल्म की भारत में 8 दिनों की कुल नेट कमाई अब 101.85 करोड़ रुपये हो गई है.इरुमुडी नई रिलीज टॉक्सिक के आगे भी ताबड़तोड़ नोट छाप रही हैं।

आवारापन 2 का 15वें दिन तहलका, अजय देवगन की शैतान सहित 3 फिल्मों के रिकार्ड किए ध्वस्त

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है. हालांकि टॉक्सिक के आने से कॉम्पिटिशन बढ़ गया है फिर भी नितिन कक्कड़ निर्देशित फिल्म ने अच्छी खासी कमाई कर डाली है, यहां तक कि इसने अजय देवगन की शैतान सहित तीन बड़ी फिल्मों के भी परखच्चे उड़ा दिए हैं.चलिए यहां आवारापन 2 की 15वें दिन की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट जानते है.

आवारापन 2 ने भारत में कितनी कमाई की है?

इमरान हाशमी की साल 2007 की सीक्वल आवारापन 2 ने रिलीज के बाद से बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म किया है. हालांकि दूसरे हफ्ते में इसकी कमाई में काफी उतार–चढ़ाव भी देखा गया फिर भी ये बॉक्स ऑफिस पर मजूबत बनी रही. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो कोईमोई के आंकड़ों के मुताबिक इसेन पहले हफ्ते मे 117.66 करोड़ कमाए थे. इसके बाद दूसरे हफ्ते में इसने 32.18 करोड़ कमाए.रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे फ्राइडे को 1.20 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की भारत में 15 दिनों की नेट कमाई अब 151.04 करोड़ रुपये हो गई है.रिपोर्ट के मुताबिक आवारापन 2 45 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी. इसने रिलीज के 15 दिनों में 106.04 करोड़ रुपये का रिटर्न हासिल किया है, जो कि मुनाफे के प्रतिशत के हिसाब से 235.6 है. इसी के साथ ये सुपर–डुपर हिट हो चुकी है.आवारापन 2 151.04 करोड़ की कमाई कर अब भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप 75 हिंदी फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है. इसने ओएमजी 2 (150 करोड़), दबंग 3 (150 करोड़), छिछोरे (150.36 करोड़) और शैतान (151 करोड़) को पीछे छोड़ते हुए 74वीं जगह हासिल की है. आज यह एक्शन थ्रिलर फिल्म तनु वेड्स मनु रिटर्न्स और सालार (हिंदी) से भी आगे निकल जाएगी, इन दोनों फिल्मों ने अपनी पूरी कमाई के दौरान 152 करोड़ रुपये कमाए थे.

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई, कहा– उनके जैसा कोई नहीं

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।